विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

# तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026
वर्ष 37 अंक 113 | कोरबा, गुरूवार, दिनांक 22 जनवरी 2026 डाक 23 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

# इटली से फ्रांस तक साइक्लोन हैरी ने मचाई तबाही

## बाढ़ और समुद्री लहरों से हुआ भारी नुकसान



**नईदिल्ली 22 जनवरी [एजेंसी]।**

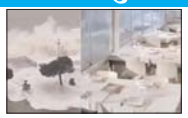

तूफान हैरीने इस हफ्ते भूमध्यसागरीय द्वीप सिसिली में भारी तबाही मचाई। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में गंभीर बाढ़ आ गई। वहीं, समुद्र में उठी ऊंची और तेज लहरों ने तटीय बुनियादी ढांचे को भीषण नुकसान पहुंचाया है। तूफान हैरी के कारण भूमध्य सागर के किनारे भयंकर बाढ़ आई। इससे सड़कें नष्ट हो गई और तटवर्ती इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा। इटली, माल्टा, स्पेन और फ्रांस में भी रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। भारी बारिश और समुद्री लहरों के कारण माल्टा, इटली, स्पेन और फ्रांस में तटीय क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा और पूरे भूमध्य सागर में यात्रा बाधित हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो में बाढ़ से हुए नुकसान को दिखाया गया है। तटीय क्षेत्रों में आई बाढ़ के कारण कई सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। तूफान के क्षेत्र से गुजरने के दौरान आपातकालीन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया था।माल्टा में सुबह-सुबह गिरे हुए पेड़, क्षतिग्रस्त इमारतें और जलमग्न सड़कें देखीं गईं। मार्सस्काला, स्लीमा और बिरजेबुगा जैसे तटीय शहर तेज हवाओं और उफनती समुद्री लहरों से बुरी तरह प्रभावित हुए। इटली के लिपारी द्वीप पर समुद्र तट पर विशाल लहरें टकराईं।

इसके कारण नौका सेवा बांधित हुई। सिसिली के एक प्रसिद्ध तटीय शहर लेतोजानी में, ड्रोन वीडियो में दिखाया गया कि समुद्र तट के पास सड़क के बड़े हिस्से बह गए थे। इस तूफान ने कम समय में ही भयंकर तबाही मचा दी। इटली के नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, 18 जनवरी से 21 जनवरी के बीच कुछ क्षेत्रों में लगभग दो फीट (57 सेंटीमीटर) बारिश हुई। इटली के तटीय इलाकों के कुछ हिस्सों में लहरें लगभग 32 फीट (9.7 मीटर) तक ऊंची उठ गईं। इससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ गई।कोर्सिका में एक ही दिन में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जिससे नदियां उफान पर आ गईं और द्वीप के कई इलाकों में बाढ़ आ गई। वहीं, स्पेन के कैटालोनिया क्षेत्र में बारिश और समुद्री लहरों ने भारी निकसुना पहुंचाया है। कैटालोनिया क्षेत्र में तूफान के कारण समुद्र किनारे स्थित एक रेस्तरां पानी से लबालब हो गया।

## ट्रकों की भिड़ंत, 03 लोगों की दर्दनाक मौत

**कांकेर।** नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार तड़के करीब 3 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें ट्रक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना कांकेर जिले के चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम रतेसरा के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद नेशनल हाईवे-30 पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और चारामा पुलिस मौके पर पहुंची है। जेसीबी एवं अन्य मशीनों की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने का काम किया जा रहा है, ताकि यातायात को जल्द बहाल किया जा सके। इसी स्थान पर दो दिन पहले भी एक युवक की कार की चपेट में आने से मौत हो चुकी थी। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने इस क्षेत्र की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल में आशा वर्कर्स के उत्पीड़न और शोषण का आरोप लगाया



**पश्चिम मेदिनीपुर, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल में आशा वर्कर्स के उत्पीड़न और शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने में देरी करके सरकार अपने लिए संकट खड़ा कर रही है। पश्चिम बंगाल में भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर आशा वर्कर्स आंदोलनरत हैं। पिछले दिन कोलकाता में बड़ी संख्या में आशा वर्कर्स ने प्रदर्शन किया। इस पर दिलीप घोष ने गुरुवार को आईएएनएस से बातचीत में कहा, आशा वर्कर्स के खिलाफ जिस तरह का उत्पीड़न और शोषण किया जा रहा है, वह बहुत अनैतिक और निंदनीय है। भाजपा नेता ने सवाल किया कि जब हर विभाग के कर्मचारी असंतुष्ट हैं, तो सरकार कैसे काम करेगी। विकास कैसे होगा। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स की मांगों को मान लिया जाना चाहिए।

इसी बीच, दिलीप घोष ने विधायक अब्दुर रहीम बख्शी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हर कोई सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए बड़े-बड़े बयान देना चाहता है। चुनाव आयोग यह निश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि जिनके पास सही दस्तावेज हैं, उनके नाम लिस्ट में जरूर हों। लेकिन बांग्लादेश से लाए गए किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम लिस्ट में नहीं रहेगा, जिसे यहां वोटर बनाया गया था। पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए भाजपा नेता ने कहा, जिस तरह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) काम कर रहा है, उससे यहां के लोग खुश हैं। हम चाहते हैं कि सभी भ्रष्ट लोगों को जेल भेजा जाए। आईसीसी वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम को लेकर विवाद पर दिलीप घोष ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट में राजनीति लाया और अब बांग्लादेश भी उसी रास्ते पर चल रहा है।

## टक्कर के बाद बस में आग लगी, तीन लोगों की मौत



**नंद्याल, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार यात्री घायल हुए। चार यात्रियों को मामूली फ्रैक्चर की चोटें आई हैं, जिनको नंद्याल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, नंद्याल के एसपी सुनील श्योरान ने जानकारी दी कि रात लगभग एक से दो बजे के बीच नेल्लोर से हैदराबाद जा रही एक प्राइवेट बस हादसे का शिकार हुई। प्राइवेट बस का आगे का दाहिना टायर फट गया था, जिससे ड्राइवर ने संतुलन खो दिया। अनियंत्रित होकर बस रोड डिवाइडर पार करके सड़क के दूसरी तरफ चली गई, जहां वह सामने से आ रही एक लॉरी से टकरा गई। टक्कर के बाद बस और लॉरी दोनों में आग लग गई। इसके कारण बस और लॉरी दोनों पूरी तरह जलकर खाक हो गए। इसी बीच, सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। हालांकि, सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस सवार लोगों का रेस्क्यू करने के साथ-साथ यातायात बहाल कराया।

## 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हिंसा मामले में सज्जन कुमार बरी, राऊज एवेयू कोर्ट ने सुनाया फैसला



**नईदिल्ली 22 जनवरी [एजेंसी]।**

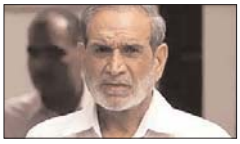

1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी विकासपुरी हिंसा मामले में दिल्ली की राऊज एवेयू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी किया है। इस हिंसा मामले मे दो लोगों की मौत हुई थी।बताया गया कि आरोपी पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार ने अपने बचाव में कहा था कि वह निर्दोष है, और कभी इसमें शामिल नहीं था और न ही सपने में भी शामिल हो सकता है। सज्जन कुमार ने कहा कि मेरे खिलाफ एक भी सबूत नहीं है।

राऊज एवेयू कोर्ट ने माना है कि प्रॉसिक्यूशन हिंसा में उसकी भूमिका साबित करने में नाकाम रहा है। वहीं, न्याय के लिए लड़ रहे पीड़ित परिवार के एक सदस्य फैसला सुनकर रो पड़े। उन्होंने कहा, हमें न्याय क्यों नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने उसे बरी क्यों कर दिया। हमारे 11 लोग मारे गए।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद )
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

SUPER SPECIALITY NKH HOSPITAL
INSPIRING BETTER HEALTH
न्यूरो विभाग

न्यूरोसर्जरी विभाग
उपलब्ध सुविधाएँ :-
• एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी
• ट्रॉमैटिक ब्रेन सर्जरी
• ब्रेन एवं स्पाइन ट्यूमर सर्जरी
• क्रेनियो-वर्टिब्रल जंक्शन असामान्यताओं का उपचार
• न्यूरो-वैस्कुलर सर्जरी
• स्कल बेस न्यूरोसर्जरी
• स्ट्रोक का समग्र उपचार
कोरबा में पहली बार एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी

न्यूरोलॉजी विभाग
उपलब्ध सुविधाएँ :-
• लकवा (स्ट्रोक)
• मिर्गी (दौरे)
• ब्रेन हैमरेज
• माइग्रेन / सिरदर्द
• स्लिप डिस्क / सायटिका
• नसों की कमजोरी / डायबिटिक न्यूरोपैथी
• मस्तिष्क ज्वर
• पार्किंसन रोग
• अन्य सभी न्यूरोलॉजिकल एवं मानसिक रोग

न्यूरो-फिजियोथेरेपी विभाग
उपलब्ध सुविधाएँ :-
• स्ट्रोक (लकवा) पुनर्वास
• ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी के बाद पुनर्वास
• स्पाइनल कॉर्ड इंजरी पुनर्वास
• पार्किंसन रोग प्रबंधन
• बैलेंस एवं चाल (गेट) प्रशिक्षण
• मांसपेशियों की मजबूती एवं टोन नियंत्रण
• स्पास्टिसिटी (जकड़न) प्रबंधन
• चलने एवं कार्यात्मक प्रशिक्षण
• चेहरे के लकवे का पुनर्वास
• घरेलू व्यायाम एवं केयरगिवर प्रशिक्षण

न्यूरो-साइकेट्री विभाग
(तंत्रिका एवं मानसिक रोग विभाग)
सेवाएँ :-
• अवसाद (डिप्रेशन) एवं चिंता विकार
• तनाव, नींद एवं स्मृति (याददाश्त) संबंधी विकार
• मिर्गी एवं दौरे से संबंधित व्यवहारिक समस्याएँ
• सिज़ोफ्रेनिया एवं बाइपोलर डिसऑर्डर
• सिरदर्द, माइग्रेन एवं मनोदैहिक (Psychosomatic) विकार
• डिमेंशिया एवं न्यूरो-कॉग्निटिव विकार
• बच्चों एवं किशोरों की व्यवहारिक समस्याएँ
• नशा मुक्ति एवं व्यसन परामर्श



पंजीयन के लिए कॉल करें 860-2599-122
आपातकालीन स्थिति के लिए 623-2033-215
टोल फ्री नंबर 1800-3096-570
न्यू कोरबा हॉस्पिटल, मंगलम विहार कोसाबाड़ी, कोरबा www.nkhhospitals.in newkorbahospital@gmail.com

## पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से नही मिला राशन

**कोरबा ।** विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत नकिया के पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से राशन नहीं मिल रहा है। जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत को अपनी समस्या बताई। उनका कहना था कि दुकान संचालक फिंगर प्रिंट लेने के बाद राशन नहीं दे रहा है। कलेक्टर ने दो दिनों के भीतर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

पहाड़ी कोरवाओं ने बताया कि राशन नहीं मिलने के कारण बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुकान संचालक राशन नहीं होना बताकर वापस भेज देता था। इसकी वजह से ही उन्हें 70 किलोमीटर दूर कलेक्टर जनदर्शन में आना पड़ा। यहां दुकान का संचालन एक महिला समूह करती है। संचालन करने वालों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी। इसके बाद राशन का भी समायोजन कराएंगे। सभी परिवारों को समय पर राशन मिले इसका प्रयास किया जा रहा है।

## टू-लेन सड़क बनाने 127 लोगों को कब्जा हटाने नोटिस जारी

**कोरबा।** कोरबा जिलान्तर्गत बरमपुर-दर्री बैराज तक 8.20 किलोमीटर टू लेन सड़क बनाने 127 लोगों को कब्जा हटाने नोटिस जारी किया गया है। यही नहीं मलबे मुआवजा देने के लिए 2.9 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस सड़क की लागत 83 करोड़ है। सड़क के लिए 53 करोड़ और पुल के लिए 17 करोड़ का टेंडर जारी हुआ है। शहर से गुजरी दायीं और बायीं तट नहर के दोनों ओर 20 से 50 मीटर जमीन बेजा कब्जा की भेंट चढ़ गई। शहर के बीच से 12 किलोमीटर लंबी नहर गुजरी है।

दूसरी ओर नहर की निगरानी के लिए पूरा अमला है, लेकिन किसी ने बेजा कब्जा रोकने का प्रयास नहीं किया। अब जमीन की जरूरत पड़ने पर हटाने हेतु मुआवजा भी देना पड़ रहा है। दर्री बराज से 40 साल पहले दायीं और बायीं तट नहर सिंचाई के लिए बनाई गई है। यहां से नहर जांजगीर-चांपा जिले के चंद्रपुर और शिवरीनारायण तक गई है। शहर में नहर किनारे दायीं तट नहर प्रगतिनगर होते हुए बरमपुर, सर्वमंगला होते हुए कनकी तक गई है। बाईं तट नहर कोहड़िया से होते हुए 15 ब्लॉक, पंप-हाउस, टीपीनगर, राताखार, तुलसीनगर, इमलीडुग्गू, संजय नगर, सीतामढ़ी से आगे बरबसपुर-उरगा से होकर आगे निकलती है। इसके किनारे ही अब कई बस्तियां बस गई हैं। लोगों ने पक्के मकान भी बना लिए हैं। यहां तक कि नहर के ऊपर को भी लोग बेजा कब्जा कर रहे हैं। इसके बाद भी विभाग के अधिकारी कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। रास्ते को घेरकर रखा गया है। इसकी जानकारी लोगों ने उच्च अधिकारियो को दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। निगम ने यातायात के दबाव को कम करने के लिए सुनालिया नहर पुल से लेकर राताखार पुल तक सड़क बनाने सर्वे किया है। शुरुआत में ही दुकानें बन गई है।

कोरबा जिले के हिस्से में दायीं तट नहर 23 किलोमीटर तक दर्री उप संभाग के जिम्मे है। साथ ही बायीं तट नहर 32 किलोमीटर आता है। इसके आगे का हिस्सा जांजगीर-चांपा जिले में आता है, लेकिन यहां के अधिकारी शहर की जमीन को भी नहीं बचा पाए। जिसकी वजह से ही अब बेजा कब्जा हटाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

## 'मां तुझे सलाम' कार्यक्रम का संचालन होगा तीन दिवसीय

**कोरबा ।** कोरबा जिलान्तर्गत शनिवार से बहुप्रतीक्षित 'मां तुझे सलाम' कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जो तीन दिनों तक देशभक्ति, संस्कृति और एकता का उत्सव बनकर चलेगा। इस वर्ष 'मां तुझे सलाम' आयोजन अपने 20वें गौरवशाली वर्ष में प्रवेश कर रहा है। दो दशकों से देशप्रेम की अलख जगाता यह कार्यक्रम इस बार पहली बार तीन दिवसीय महोत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, युवाओं की प्रतिभा को मंच देने वाली प्रतियोगिताएं, कला, शिक्षा, खेल और समाज सेवा से जुड़े कार्यक्रम, आकर्षक ट्रेड फेयर आयोजित किए जाएंगे, जिससे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर नागरिक राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग सके। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को आयोजन अपने चरम पर पहुंचेगा। देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और तिरंगे की गरिमा के बीच कार्यक्रम का भव्य समापन होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन स्थल को तिरंगे की थीम में सजाया जा रहा है। मंच, स्टॉल, दर्शक व्यवस्था और व्यवस्थापन को पूरी संवेदनशीलता और गरिमा के साथ अंतिम रूप दिया जा रहा है।

## महिला बुनकर सहकारी समितियों के नेतृत्व एवं क्षमता विकास पर एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण शिविर संपन्न

**कोरबा ।** कोरबा-पश्चिम क्षेत्र अंतर्गत बांकीमोंगरा महिला बुनकरों को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से मां नीरा हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति, बांकीमोंगरा के कार्यालय में महिला बुनकर सहकारी समितियों के नेतृत्व विकास एवं क्षमता विकास विषय पर एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बुनकरी कार्य से जुड़ी महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उनका अधिकतम लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के लिए बुनकरी कार्य को बढ़ावा दे रही है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ सकें। इसी कड़ी में बुनकरों को बुनकर आवास योजना, मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, आसान बैंक ऋण सुविधा, यूडीआईएएम पंजीयन, ज़ेडईडी कार्ड एवं बुनकर कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस गरिमामय आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विजय कुमार राठौर, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मी प्रसाद देवांगन, जिला संयोजक बुनकर प्रकोष्ठ एवं सहकारी सोसायटी अध्यक्ष बांकी मोंगरा ने की। विशेष रूप से सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर से पहुंचे ईश्वर बघेल (मंडल मंत्री, जवाली मंडल) की उपस्थिति ने कार्यक्रम को मार्गदर्शक स्वरूप प्रदान किया।प्रशिक्षण सत्र में पी.एल. सोनी (व्याख्याता), राजेश साहू (व्याख्याता) एवं एस.के. पटेल (व्याख्याता) ने सहकारी समितियों के संचालन, नेतृत्व कौशल, वित्तीय प्रबंधन, सरकारी योजनाओं की प्रक्रिया एवं बुनकरों के अधिकारों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही राजकुमारी चौहान की उपस्थिति में महिलाओं को आत्मविश्वास एवं संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्राम कोलिहामुड़, अरदा, देवगांव, चाकाबुड़ा, बुंदेली, दीपका, सलिहापारा, तिलवारी एवं बांकीमोंगरा सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में बुनकर महिलाएं उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं में सीखने की उत्सुकता और आत्मनिर्भर बनने का उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

अंत में अतिथियों ने महिला बुनकरों से आह्वान किया कि वे सहकारी समितियों के माध्यम से एकजुट होकर कार्य करें, शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं और बुनकरी को आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनाएं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल के रूप में संपन्न हुआ।

# साडा कन्या विद्यालय और बालको विद्यालय की छात्राओं ने ली बाल विवाह मुक्त अभियान की शपथ

### जिले में 16 से 30 जनवरी तक संचालित किया जा रहा है विशेष जागरूकता पखवाड़ा

**कोरबा ।** कोरबा जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) बसंत मिंज के निर्देशन अंतर्गत जिले में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के उपलक्ष्य में विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा साडा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टी.पी. नगर एवं शासकीय कन्या शाला बालको में एनीमिया निवारण, विधिक साक्षरता एवं शासकीय योजनाओं पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बालिकाओं के स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर विषय 'एनीमिया' पर विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा एनीमिया के प्रमुख लक्षण, कारण और उनके बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को संतुलित और पौष्टिक आहार, विटामिन-सी युक्त फलों के सेवन, फोलिक एसिड एवं कैल्शियम सप्लीमेंट के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही समय-समय पर हीमोग्लोबिन की जांच कराने और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की समझाइश दी गई।

नवा बिहान से संरक्षण अधिकारी श्रीमती रजनी मारिया द्वारा बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करते हुए घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, पॉक्सो एक्ट, पॉश एक्ट और शी-बॉक्स जैसी विधिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को आपातकालीन स्थिति के लिए टोल-फ्री नंबर 181, 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), सखी वन स्टॉप सेंटर और डायल 112 की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम द्वारा विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के पात्रता और लाभ के बारे में बताया गया। छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा पर ध्यान देने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

उक्त अभियान अंतर्गत बाल विवाह को एक सामाजिक बुराई और कानूनन अपराध बताते हुए प्राचार्यों, शिक्षकों की उपस्थिति में छात्राओं को शपथ दिलाई गई। सभी ने एक स्वर में 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक के विवाह को रोकने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक श्रीमती रत्ना नामदेव, संगीता प्रजापति, ज्योति साहू, विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित छात्राएं उपस्थित रहीं।)

## शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली में मतदाता जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

**कोरबा ।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोरबा श्री कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार, स्वीप कार्यक्रम के तहत आज शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली में एसआईआर 2026 एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।यह रैली महाविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब एवं एन.सी.सी. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। रैली का मुख्य उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना एवं आम जनमानस को मतदान के प्रति जागरूक करना था।संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुष्पराज लाजरस एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती रीता पटेल के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. लाजरस ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना और उनके द्वारा मतदान किया जाना अनिवार्य है।रैली का नेतृत्व एन.सी.सी. प्रभारी कुमारी वर्षा लकड़ा (सहायक प्राध्यापक) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैंपस एम्बेसडर ईशा एवं सोम सोनी ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए छात्र-छात्राओं को मतदाता शपथ दिलाई। रैली के दौरान छात्राओं ने 'सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो' जैसे गगनभेदी नारों के साथ नगर भ्रमण किया।



## भूविस्थापितो के साथ नही होने दिया जाएगा अन्याय: जयसिंह

**कोरबा ।** भिलाईखुर्द क्रमांक-1 के सैकड़ों ग्रामीणों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल निर्णायक भूमिका में सामने आए हैं। मानिकपुर माइंस विस्तार परियोजना के नाम पर एसईसीएल प्रबंधन द्वारा पुनर्वास एवं मुआवजा नीति की खुलेआम अनदेखी अब उजागर हो चुकी है। दो दिन पूर्व ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने जयसिंह अग्रवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और बताया कि प्रबंधन जानबूझकर वर्ष 2023 के पुराने सर्वे के आधार पर मकानों व परिवारों की गणना कर रहा है, जबकि इसके बाद अनेक परिवारों ने वैध रूप से अपने घरों का निर्माण, विस्तार व नवीनीकरण किया है। पुराने आंकड़ों के सहारे वास्तविक पात्र परिवारों को अधिकारों से वंचित करने की साजिश रची जा रही है।ग्रामीणों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए जयसिंह अग्रवाल ने तत्काल केंद्रीय कोयला मंत्री को पत्र लिखकर एसईसीएल की कार्यप्रणाली पर कड़ा सवाल उठाया और मांग की कि पुनर्वास नीति को बिना भेदभाव, बिना दबाव और वर्तमान जमीनी हकीकत के अनुरूप लागू किया जाए। इसके बाद वे स्वयं भिलाईखुर्द पहुंचे, जहां 300 से अधिक ग्रामीणों की मौजूदगी में हुई जनसभा में लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि एसईसीएल की मनमानी नहीं रुकी, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।सभा को संबोधित करते हुए जयसिंह अग्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा—विकास के नाम पर गरीबों को उजाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। पुनर्वास कोई एहसान नहीं, यह प्रभावितों का अधिकार है। यदि एसईसीएल ने अन्याय बंद नहीं किया, तो यह लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ी जाएगी।उन्होंने कहा कि पुराने सर्वे के आधार पर निर्णय लेना असंवैधानिक और अमानवीय है तथा वर्तमान में वास्तविक

## पोड़ी उपरोड़ा एसडीएम राजस्व एवं मंडी टीम की संयुक्त कार्रवाई , उपकेंद्र तुमान में 12 किसानों से लगभग 1000 क्विंटल रकबा समर्पण, अमानक धान की हो रही वापसी



**कोरबा।** आज पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उपकेंद्र तुमान में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पोड़ी उपरोड़ा तथा मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपकेंद्र में धान उपार्जन प्रक्रिया, रकबा मिलान एवं गुणवत्ता संबंधी दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई।निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर कुल 12 किसानों से लगभग 1000 क्विंटल रकबा समर्पण कराया गया। साथ ही समिति परिसर में जमा अमानक धान की वापसी की कार्रवाई नियमानुसार सुनिश्चित की जा रही है।पोड़ी उपरोड़ा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री मनोज कुमार बंजारे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनियमितता, ओवर रकबा, अमानक धान या गुणवत्ता संबंधी त्रुटियों को गंभीरता से लिया जाएगा। विभागीय टीमों द्वारा ऐसे निरीक्षण आगे भी लगातार किए जाते रहेंगे ताकि पारदर्शिता एवं सुचारु उपार्जन प्रक्रिया बनाए रखी जा सके।मंडी टीम व राजस्व विभाग ने समिति प्रबंधन को उपार्जन कार्य में पूर्ण अनुशासन, सही रिकॉर्ड संधारण तथा गुणवत्ता मानकों के कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

# कटघोरा में सामुदायिक भवन कार्यालय का हुआ लोकार्पण

**कटघोरा ।** 20 जनवरी 26 दिन मंगलवार को सायं 6बजे पत्रकार संघ सामुदायिक भवन कार्यालय का लोकार्पण मा. लखन लाल देवांगन वाणिज्य एवं श्रम मंत्री छग शासन ,कटघोरा क्षेत्र के विधायक प्रेमचंद पटेल,भाजपा जिला अध्यक्ष कोरबा गोपाल मोदी , के कर कमलों द्वारा किया गया। लखन लाल देवांगन ने कहा कि जनकल्याण कारी योजना पत्रकार साथी के माध्यम से होता है। हम लोगो का भी कार्य होता है। जो भी विकास का फंड विधान सभा क्षेत्र का होता है । फर्नीचर का व्यवस्था कर दिया जायेगा। 15 लाख का पुस्तकालय के लिए कोशिश किया जाएगा। जन सम्पर्क निधि में 3 से 4 लाख का व्यवस्था किया जाएगा।प्रेमचंद पटेल ने कहा कि पत्रकार संघ सामुदायिक कार्यलय जिले में दूसरे स्थान पर हुआ है। जहां हम नहीं पहुंच सकते वहां पत्रकार पहुंच जाते है और पत्रकारो का न्यूज सही समय लग जाता है। नगर पालिका द्वारा पेजयल की व्यवस्था कराया जाएगा । कोई भी कार्यक्रम के लिए पत्रकार सामुदायिक भवन को जगह भी उपलब्ध कराएगा । कबीर दास के दोहे बोले। गोपाल मोदी ने कहा कि पत्रकार संघ कार्यालय अच्छी ढंग से बना हुआ है। अलग अलग तरीके से सूचना का माध्यम देते है। देश दुनिया की विभिन्न खबरों से अवगत कराते है। पत्रकार समाज को दर्पण दिखाने वाला होता है। पत्रकार संघ सामुदायिक भवन को सहयोग मिला सरगुजा विकास प्राधिकरण से 8 लाख, लखन लाल देवांगन श्रम मंत्री से 5 लाख, प्रेमचंद पटेल विधायक से भी सहयोग लिया गया।कार्यक्रम में प्रफुल्ल तिवारी, संजय शर्मा जिलामंत्री,अभिषेक गर्ग मंडल अध्यक्ष,धन्नू दुबे, पवन अग्रवाल,



बजरंग पटेल, मंच पर उपस्थित रहे। सभी मंचस्थ स्थितियों का स्वागत पत्रकार साथियों द्वारा फूल माला से किया गया।पत्रकार संघ की ओर सेअजय धनोदिया पत्रकार संघ अध्यक्ष,चंदन बघेल ,अशोक दुबे ,रामविलास कुर्रे, राकेश गोयल, मनोज नायडू ,डॉ गोपाल बन गोस्वामी ने सभी मंचस्थ अतिथियों को एक एक मोमेंटो दिया गया।कार्यक्रम में नरेंद्र पटनवार , प्रफुल्ल तिवारी, अनिल यादव ,शर्मा जी, संदीप चौबे,गोपाल मित्तल,राजू दास पार्षद, संमजीत सिंह, मनोज नायडू,अमित जायसवाल, डाकेस्वर शुक्ला, राकेश गोयल, मनोज दुबे,गोपाल गोस्वामी, टीकम राजपाल,, अनुराग दुहलानी, आलोक पांडे, इखलाख खान का अथक सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन अजय धनोदिया पत्रकार संघ अध्यक्ष एवं आभार रामविलास कुर्रे ने किया।

## शिवमय हुआ सर्वमंगला नगर: 11 हजार शिवलिंगों का अभिषेक, पूर्णाहुति और भंडारे के साथ संपन्न हुआ आठ दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव

**कोरबा।** सर्वमंगला नगर दुरपा में आयोजित आठ दिवसीय भव्य महाशिवपुराण कथा का सोमवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हुआ। 12 जनवरी से शुरू हुए इस आध्यात्मिक आयोजन में अंतिम दिन तक श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा रहा। कथा के दौरान पूरा क्षेत्र ओम नमः शिवाय और 'हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया।

व्यास पीठ से बरसी शिव महिमा की अमृत वर्षा

कथावाचक पंडित रमाकांत महाराज ने अपनी ओजस्वी और मधुर वाणी से भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों और उनकी महिमा का वर्णन किया। महाराज जी ने शिवपुराण के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में श्रद्धालुओं के समक्ष रखा, जिसे सुनकर भक्त भावविभोर हो गए। आयोजन की विशेष बात यह रही कि व्यास पीठ की ओर से सभी श्रद्धालुओं को निशुल्क सिद्ध रुद्राक्ष का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की श्रृंखला में 19 जनवरी को एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कथा स्थल पर 11,000 पार्थिव शिवलिंगों का सामूहिक जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु माताएं और बहनें अपने घरों से श्रद्धापूर्वक पार्थिव शिवलिंग बनाकर कथा पंडाल पहुंचीं।

# सुशासन सरकार की पहल से किसान सशक्त और समृद्धि

### पहली बार धान विक्रय करने वाले कृषक श्री कंवर का अनुभव रहा अत्यंत सुखद

**कोरबा।** राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में लागू की जा रही सुशासन आधारित योजनाएं अब धरातल पर ठोस परिणाम देने लगी हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने धान खरीदी की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुगम और भरोसेमंद बनाया है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे हैं। जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से की जा रही धान खरीदी ने किसानों के बीच विश्वास का वातावरण तैयार किया है। सरकार द्वारा सर्वाधिक समर्थन मूल्य प्रदान किए जाने से कृषि कार्य को आर्थिक संबल मिला है और अन्नदाताओं का उत्साह बढ़ा है। सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के चलते खरीदी केंद्रों पर किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं देखी जा रही है।इसी क्रम में ग्राम दोंदरो निवासी कृषक श्री बाबू सिंह कंवर का धान विक्रय का पहला अनुभव उल्लेखनीय रहा।

लगभग 16 एकड़ भूमि पर खेती करने वाले श्री कंवर ने इस वर्ष पहली बार उपार्जन केंद्र सोनपुरी में 65 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि पूरी प्रक्रिया सरल और सुचारू रही तथा तौल से भुगतान तक किसी भी स्तर पर कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा।श्री कंवर ने कहा कि उपार्जन केंद्र पर कर्मचारियों द्वारा समुचित सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे उनका अनुभव संतोषजनक रहा। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक समर्थन मूल्य मिलने से किसानों को उनकी मेहनत का सही प्रतिफल प्राप्त हो रहा है और वे भविष्य को लेकर आश्वस्त महसूस कर रहे हैं।अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि किसान हितैषी नीतियों, पारदर्शी खरीदी व्यवस्था और सुगम प्रक्रिया ने छत्तीसगढ़ के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नया विश्वास पैदा किया है। सरकार की यह पहल प्रदेश में समृद्ध और सशक्त कृषि व्यवस्था की मजबूत आधारशिला सिद्ध हो रही है।

## पाली महोत्सव की तैयारी हेतु सार्वजनिक/उपक्रमों की बैठक आज

कोरबा कोरबा जिला में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय पाली महोत्सव का आयोजन पाली महोत्सव ग्राउंड केराझरिया में किया जायेगा। पाली महोत्सव की आवश्यक तैयारी हेतु जिले के सार्वजनिक/उपक्रमों की आवश्यक बैठक 22 जनवरी को शाम 04 बजे कलेक्टर सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

# सांसद महंत की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई आयोजित

**कोरबा।** जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें। जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

सांसद श्रीमती महंत ने हाथी प्रभावित क्षेत्रो में आमजनों की सुरक्षा हेतु आवश्यक स्थानों में सोलर हाई मास्ट लाइट लगाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने के निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल में स्वास्थ्य उपचार हेतु आने वाले मरीजों को पर्याप्त सुविधा व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों व स्टॉफ की नियुक्ति, आवश्यक उपकरण व दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही दूरस्थ इलाकों में पोस्टमार्टम (शव परीक्षण) केंद्र, मर्च्युरी, एंबुलेंस का पहुँच बढ़ाने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीण लोगों को आपातकाल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकें। उन्होंने ग्रामीण वनांचल क्षेत्रों के स्कूलों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था एवं यथास्थानों में किचन शेड व स्टोर रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत हितग्राहियों को नियमित रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। लोगों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हर घर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यो को प्राथमिकता



से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

सांसद श्रीमती महंत ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में आवगमन के लिए बेहतर सड़क, आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना में जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दिशा में सभी को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। सांसद ने मनरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए गए लक्ष्य के अनुरूप मनरेगा के कार्यो को समय पर पूर्ण करने एवं समय पर मजदूरी भुगतान के संबंध में निर्देश दिए। साथ ही अधिक से अधिक महिला समूह का कौशल उन्नयन कर स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही। हितग्राहियों को पीडीएस दुकानो से समय पर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, ई-श्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, एकीकृत बाल विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भू-अभिलेख आधुनिकीकरण, दीनदयाल उपाध्याय विद्युतीकरण योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग, सांख्यिकी विभाग, नगर पालिक निगम, डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, डिजीटल इण्डिया, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं आमजनों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह कवंर ने जिले के विकास कार्यों में विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने एवं स्वीकृत कार्यां को समयावधि में पूर्ण कराने की बात कही।

इस दौरान कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन का आश्वासन देते हुए जिले में शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन तथा डीएमएफ के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वीकृति के लिए शेष जर्जर स्कूल, आंगनबाड़ी के लिए नए भवन निर्माण की स्वीकृति दी जाएगी, स्कूलों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षा, प्रयोगशाला, पेयजलापूर्ति हेतु पानी टंकी इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। शैक्षणिक संस्थाओं में सबेरे पौष्टिक नास्ता प्रदान किया जा रहा है। 200 मेधावी छात्रों की रायपुर में नीट, जेईई की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है। खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु उन्हें खेल सामग्री एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु विभिन्न निर्माण कार्य प्रगतिरत एवं प्रस्तावित है साथ ही संस्थान में मरीजों के बेहतर उपचार हेतु विशेषज्ञ चिकित्सको एवं अनेक आधुनिक चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराया गया है। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में टीबी मरीजों को हेल्थ वेलनेस सेंटर के माध्यम से गांवों में शिविर लगाकर स्क्रीनिंग कर प्राथमिकता से स्वास्थ्य लाभ पहुँचाया जाएगा, साथ ही बीपी, सुगर के मरीजों को लाभान्वित किया जाएगा। बीसी सखी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिग सुविधा बढ़ाई जाएगी। कौशल विकास के तहत युवाओं को रोजगार उन्मुखी एवं औद्योगिक संस्थानों के आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी समय में इंडोर स्टेडियम में आवासीय स्पोर्ट्स एकेडमी विकसित कर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग, विभिन्न जनपदों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

# निजी स्कूल की शिक्षिका ने छात्रा से मारपीट की, मामला दर्ज

**जांजगीर।** पामगढ़ के छत्तीसगढ़ ज्ञान ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा छटवी की एक नाबालिग छात्रा के साथ शिक्षिका द्वारा मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। घटना 20 जनवरी 26 की दोपहर की है। आरोप है कि छात्रा को स्कूल कार्यालय में बुलाकर शिक्षिका ने लकड़ी की छड़ी से उसके दोनों पैरों की पिंडलियों और हाथों की हथेलियों पर प्रहार किया। इसके साथ ही उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई कि यदि उसने किसी को जानकारी दी तो परिणाम गंभीर होंगे। घटना से डरकर छात्रा घर लौटी और परिजनों को पूरी बात बताई। परिजन तुरंत थाना पामगढ़ पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 351 (2) और 116(2) के तहत शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर जांच तेजी से की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में अभिभावकों में आक्रोश और चिंता बढ़ गई है। अभिभावक सवाल उठा रहे हैं कि जब शिक्षक ही अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल करने लगें तो स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। उनका कहना है कि यह घटना शिक्षकों की जवाबदेही और विद्यालयों में शारीरिक दंड की प्रवृत्ति को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है। अभिभावकों ने मांग की है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी शिक्षिका पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों पर रोक लग सके।

# अकलतरा संग्रहण केन्द्र में करोड़ों का धान कम दो टीमों की जांच के बाद कार्रवाई का इंतजार



**जांजगीर-चांपा।** कवर्धा जिले में 7 करोड रुपए के धान का चूहे खाने का मामला अभी चल ही रहा है कि जांजगीर चांपा जिले के संग्रहण केन्द्र में तकरीबन 15 करोड़ के धान शार्टेज की चर्चा गर्माने लगी है। विधायक को शिकायत पर प्रशासन द्वारा गठित दो टीमों ने अकलतरा व अमरताल संग्रहण केन्द्र का भौतिक सत्यापन किया। बताया जाता है कि इस दौरान तकरीबन 50 हजार क्विंटल धान का उठाव शेष है, लेकिन यहां सड़े हुए बोरियों की देरी और भूसे में तब्दील सड़े हुए धान के अलावा कुछ नहीं है। अब प्रतिवेदन के बाद कार्रवाई का इंतजार हो रहा है।

गौरतलब है कि बीते वर्ष समर्थन मूल्य पर हुए धान खरीदी के दौरान मिलरों द्वारा किए गए उठाव के अलावा धान संग्रहण केन्द्र भी खोले गए थे। इस दौरान जिले के अकलतरा संग्रहण केन्द्र में 7 लाख 50 हजार क्विंटल धान संग्रहित किया गया था। इसी तरह अमरताल में 2 लाख 85 हजार क्विंटल धान रखा गया था। इसकी निगरानी को लेकर जिला विपणन संघ द्वारा सीसी कैमरे लगाने के साथ दुनिया र के दावे किए गए थे। इसके बाद संग्रहित धान का जब उठाव किया गया तो बड़ी मात्रा में धान की कमी बताई जा रही है। बताया जाता है कि अकलतरा संग्रहण केन्द्र में 48 हजार क्विंटल धान का उठाव शेष है, जबकि मौके पर भूसा की ढेरी और सड़ी बोरियों में भरे खराब धान कंकड, पत्थर के अलावा और कुछ नहीं है। इसी तरह अमरताल में 25 सौ क्विंटल धान का उठाव शेष है और वहां स्थिति भी कमोबेस यही है। इस मामले को पिछले दिनों अकलतरा विधायक राघवेन्द्र सिंह ने उजागर किया था। उन्होंने संग्रहण केन्द्र का निरीक्षण करके शासन प्रशासन से जांच की मांग की थी। मामला मीडिया में भी प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गया। जिसके उपरांत जिला प्रशासन ने संग्रहण केन्द्रों के भौतिक सत्यापन के लिए दो टीमें गठित की। एक टीम एडीएम के नेतृत्व में और दूसरी टीम संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी। उपरांत

इन टीमों में सहायक खाद्य अधिकारी, सहकारिता विभाग के अफसर और क्षेत्रीय तहसीलदार शामिल रहे। बताया जाता है कि दोनों टीमों ने दोनों संग्रहण केन्द्रों का निरीक्षण किया, तो वे भी चकित रह गए। सूत्रों के मुताबिक मौके पर सड़ी हुई बोरियों में रखे खराच धान के स्टेक मिले। बोरियों का वजन भी 12-15 किलो से अधिक नहीं था। इसके अलावा संग्रहण केन्द्र में जितने हजार क्विंटल धान का उठाव होना है। उसकी तुलना में धान अत्यंत कम है और जो है वह भी खराब धान है, जिसका उठाव करने में मिलर भी कतराने लगे है। उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिनों पहले कवर्धा जिले के संग्रहण केन्द्र में 7 करोड़ का धान शार्टेज हुआ था, जिसे चूहा द्वारा खाने की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। ऐसे में यहां लगभग 15 करोड़ के धान की कमी बताई जा रही है। अब इसे चूहों ने खा लिया या सूर्यदेव की तपिश ने सूखा दी, यह तो जांच प्रतिवेदन सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

अकलतरा और अमरताल संग्रहण केन्द्र में धान का उठाव शेष है। जिला प्रशासन द्वारा गठित टीम ने भौतिक सत्यापन किया है। रिपोर्ट की जानकारी नहीं है। जो भी मामला है, जिला प्रशासन सज्ञान में है वहीं से जांच हुई है।

-रमेश लहरे,
डीएमओ, जाजगीर चांपा

# 30 करोड़ की धोखाधड़ी आरोपी गिरफ्तार

**जांजगीर-चांपा।** 15 प्रतिशत ब्याज देने का लालच देकर 30 करोड़ की ठगी करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। मामला अकलतरा शहर के जवाहर नगर का है।

इस संबंध में अकलतरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिवरीनारायण क्षेत्र के ग्राम कामता निवासी प्रार्थी महेन्द्र कुमार कश्यप, ने थाना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी जान-पहचान प्रमोद कुमार वैष्णव, पिता स्व. मोचनदास वैष्णव, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी जवाहर नगर अकलतरा जून 2024 में मिला और स्वयं को रियल स्टेट व शेयर मार्केट का कारोबारी बताते हुए हर माह 15 प्रतिशत मुनाफा देने का लालच दिया। आरोपी द्वारा भरोसा दिलाने हेतु अपने नाम से इकरारनामा एवं एचडीएफसी बैंक का 10 लाख का चेक प्रार्थी के नाम दिया गया। प्रार्थी ने अपनी बेटी की शादी हेतु धान बेचकर जमा किए गए 10 लाख नगद आरोपी को दे दिए। कुछ समय पश्चात आरोपी का मोबाइल फोन बंद आने लगा और वह घर से भी फरार पाया गया। कौशल प्रसाद कश्यप से 10 लाख तथा हीरा लाल कश्यप, निवासी चोरभट्टी से 5 लाख ठगे गए हैं। आरोपी द्वारा शेयर मार्केट एवं रियल स्टेट के नाम पर 10 से 15 अन्य लोगों से भी लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फरार आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी ने कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं बिलासपुर जिलों में लगभग 30 करोड़ की ठगी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से बरामद वेगनआर कार क्रमांक सीजी 11 एम 8955 अन्य कार क्रमांक सीजी 11-क्क-5814 यामाहा मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 11 बीएल सहित 20 लाख की संपत्ति जब्त की गई है। अन्य अर्जित संपत्तियों, भूमि एवं मकान संबंधी जानकारी की विवेचना जारी है। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 420 भा.दं.सं. के तहत अपराध सिद्ध पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

## गांजा तस्करी मामले में कार्रवाई

**जांजगीर-चांपा।** पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एनडीपीएस एक्ट के तहत जांच करते हुए महासमुंद जिले से एक और आरोपी विमल कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस मामले में पहले भी दो आरोपी और एक नाबालिग को पकड़ा जा चुका है।



## बाजार के दिन केंद्रीय बैंक का एटीएम बंद, किसानों को करना पड़ा घंटों इंतजार

**जांजगीर।** जिला सहकारी बैंक की व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। गांधी चौक बाजार के पास लगाए गए बैंक के एटीएम से किसानों को दो साल से कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। एटीएम में लगातार कैश नहीं रहता, जिस कारण इसे अक्सर बंद कर दिया जाता है। धान बेचने के बाद नगद राशि निकालने किसान बैंक के बार-बार चक्कर लगा रहे हैं।

बुधवार को भी बैंक के सामने ऐसा ही दृश्य रहा। एटीएम का शटर नीचे था और किसान सुबह से शाम तक भुगतान के इंतजार में खड़े रहे। किसानों ने बताया कि धान बेचने के बाद उन्हें पुराने उधार चुकाने होते हैं। बेटी की शादी की तैयारी और अन्य जरूरी खर्च भी इसी राशि से पूरे होते हैं। किसानों का कहना है कि वे 10 हजार से 5 हजार रुपए निकालने के लिए भी बैंक की लाइन में लग रहे हैं, जबकि उन्हें एटीएम की सुविधा दी गई थी। बैंक के सामने स्थापित एटीएम बंद रहने से उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

# डीआरएम से मिले विधायक, नैला में चावल रैक प्वाइंट बढ़ाने की रखी मांग



**जांजगीर-चांपा।** जिला चावल उद्योग संघ जांजगीर चांपा के द्वारा विधायक ब्यास कश्यप को अवगत कराया गया कि नैला रेलवे स्टेशन स्थित रैक प्वाइंट को खाद्यान्न के लिए स्वीकृत किया गया था, किंतु वर्तमान समय में देखने में आ रहा है कि उक्त रैक प्वाइंट का उपयोग कोयले के परिवहन के लिए किया जा रहा है।

चावल लदान (एफसीआई) हेतु लगे इंडेन को समय पर एवं प्राथमिकता अनुसार रैक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिससे सरकारी चावल लोड होकर अन्य राज्यों को नहीं जा पा रहा है। चावल नहीं जाने के कारण अन्य राज्यों का पीडीएस प्रभावित हो रहा है। इससे केंद्र सरकार की महती योजना प्रभावित हो रही है। संघ के द्वारा खाद्यान्न के लिए रैक उपलब्ध कराने की मांग विधायक ब्यास कश्यप से की गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए ब्यास कश्यप ने संघ के सदस्यों को साथ लेकर डीआरएम बिलासपुर राकेश रंजन से भेंट कर उपरोक्त बातें उनके समक्ष रखी। श्री कश्यप ने उन्हें अवगत कराया कि जांजगीर चांपा जिला कृषि प्रधान जिला है, नैला में चावल के रैक प्वाइंट उपलब्ध नहीं होने पर जिले में उपलब्ध धान की मिलिंग समय पर नहीं हो पा रही है। इस व्यवसाय से संबद्ध किसानों, मजदूरों एवं व्यवसायियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। डीआरएम ने उनकी बातों को ध्यान से सुना एवं सकारात्मक रूख अपनाते हुए चांवल लदान को प्राथमिकता देने हेतु आश्वस्त किया है। ज्ञापन देने वालों में विधायक ब्यास कश्यप के साथ चांवल उद्योग संघ की तरफ़ से संजय भोपालपुरिया, बांके अग्रवाल, विकास जिंदल, हरि मोदी, अंकित मोदी, आशीष अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, तपन अग्रवाल, अंकित झाझड़िया, शोभित जिंदल उपस्थित रहे।

## लायंस स्कूल में स्काउट-गाइड दीक्षा संस्कार कार्यक्रम आयोजित

**चांपा।** लायंस स्कूल चांपा में 19 जनवरी को स्वामी विवेकानंद स्काउट दल एवं रानी लक्ष्मीबाई गाइड दल के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का दीक्षा संस्कार गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों को स्कार्फ पहनाकर विधिवत स्काउट-गाइड में प्रवेश दिलाया गया। इस अवसर पर लायन रामप्रपन्न देवांगन, चेयरमैन, लायंस क्लब एजुकेशन सोसायटी चांपा, लायन संतोष कुमार सोनी अध्यक्ष, लायंस क्लब चांपा, लायन राजेश अग्रवाल, लायन सुरेश अग्रवाल तथा लायंस स्कूल चांपा की प्राचाग्र श्रीमती अजीता वी.के. की गरिमामय उपस्थिति रही। लायन रामप्रपन्न देवांगन ने बच्चों को स्काउट-गाइड प्रतिज्ञा दिलाई। अपने उद्बोधन में लायन संतोष कुमार सोनी ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर कर्तव्यों के पालन तथा सेवा भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्राचार्य श्रीमती अजीता वी. के. ने नवदीक्षित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर ओ.पी. पाण्डेय एवं गाइड कैप्टन श्रीमती मधु पाण्डेय की भी विशेष उपस्थिति रही।

# नौकरी लगाने के नाम पर ठगी फरार आरोपी गिफ्तार

**बाराद्वार।** कर आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि ईश्वर चौहान ने बिलासपुर में 25 से 30 युवकों से नौकरी लगाने का झांसा देकर उनसे राशि वसूल की थी।

नौकरी दिलाने के नाम पर दर्जनों लोगों से 3 धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दो साल से फरार चल रहे शातिर आरोपी ईश्वर चौहान (35), पिता इन्दल चौहान, निवासी ग्राम आमापाली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन थाना बिलासपुर में अपराध दर्ज हैं। थाना प्रभारी टीआई नरेन्द्र यादव ने बताया कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और तमनार क्षेत्र में छिपकर रह रहा था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। 20 जनवरी को बाराद्वार पुलिस को सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी

इस प्रकरण में इससे पहले सिविल लाइन पुलिस द्वारा पांच अन्य आरोपियों सोनू उर्फ अमित साहू, मोटू उर्फ विनय मसीह, गुरु शंकर दिव्य, कपिल गोस्वामी और ऋषि नायक को गिरफ्तार किया जा चुका है। ईश्वर चौहान इस गिरोह का छठवां सदस्य था और लंबे समय से फरार चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, आरोपी एक सप्ताह पहले अपने गांव आमापाली आया था। गांव के मुखबिर से सूचना मिलने पर बाराद्वार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसकी गिरफ्तारी की। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं और उसकी गिरफ्तारी से पूरे गिरोह से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

## धान खरीदी की शिकायत,प्रभारी निलंबित

**जांजगीर।** धान खरीदी के दौरान सामने आई गड़बड़ियों के बाद धुरकोट उपार्जन केंद्र के प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। यह निर्णय सहकारी समिति की बैठक में लिया गया।

कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला जांजगीर-चांपा द्वारा प्रभारी के खिलाफ गंभीर शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। शिकायत के

अनुसार प्रभारी ने धान खरीदी के समय पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं की और निर्धारित नियमों का उल्लंघन किया। आरोप है कि उन्होंने अवैध रूप से धान खरीदी करने का प्रयास किया तथा अपने पुत्र और रिश्तेदारों को उपार्जन केंद्रों में तैनात किया। किसानों को दिए गए ऋण वितरण में भी अनियमितता की आशंका सामने आई, जिससे समिति को आर्थिक नुकसान होने का खतरा था। 19 जनवरी 2026 को प्रभारी से लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन तय तिथि तक कोई जवाब नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान केंद्र में अव्यवस्था और गड़बड़ी पाई गई, जिस पर भी प्रभारी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इसके बाद 20 जनवरी 2026 को कर्मचारी सेवा नियम 2018 के तहत कार्रवाई की सिफारिश की गई। उल्लेखनीय है कि प्रभारी को धान उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए 18 नवंबर 2025 को नियुक्त किया गया था। प्रशासन ने सख्त कदम तुरंत उठाया।

# भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन को कार्यकर्ताओ ने दी एक दुसरे को दी बधाई

**नबीन का नेतृत्व कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा और पार्टी के आदर्शों को ऊँचाई प्रदान करेगा: अंबेश जांगड़े**



**चांपा।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन के सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने यशस्वी कार्यकाल की कामना कर बधाई दी है जांगड़े ने कहा कि मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ की सहभागिता केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकता, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि एक युवा नेता होने के नाते श्री नबीन का नेतृत्व कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा और पार्टी के आदर्शों को ऊँचाई प्रदान करेगा। छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी और बाद में प्रभारी के रूप में उनके मार्गदर्शन में पिछ?ले विधानसभा चुनाव से लेकर निकाय-पंचायत चुनावों में पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक ऐतिहासिक दस्तावेज है।

नबीन को ऊर्जा से भरपूर चमत्कारिक प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि एक युवा नेता के तौर पर नबीन भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभाल रहे हैं और आने वाला समय युवाओं का है। यह सब एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हो रहा है, इसलिए यह निश्चित रूप से पार्टी और भाजपा के लिए बहुत फायदेमंद होगा उक्त कार्यक्रम मे संगठन प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर अमर सुल्तानिया चुन्नीलाल साहु जिला महामंत्री नंदनी रजवाड़े नंद चौधरी जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल आशुतोष गोस्वामी प्रदीप शराफ रवि पांडेय विकास शर्मा पुष्पेंद्र प्रताप सिंह अनिल शर्मा नरेंद्र कौशिक राजेश्वर पाटले संतोषी सिंह आकाश सिंह ओमप्रकाश श्रीवास विश्वनाथ प्रताप यादव संतोष थवाईत साकेत तिवारी धनेशवरी जाग्रति दिनेश दास संजीता माली पुष्पेंद्र निर्मलकर नीलम सोनार प्रियंका सिंह परमेश्वर राठौर रमाकांत रजवाड़े दिनेश राठौर सोनु यादव गोलु दुबे रितेश राठौर प्रदीप राठौर गजेंद्र सिंह गज्जू कर्ष छत्रपाल विजय रिया यादव सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से रोहित का बना पक्का घर

**जांजगीर-चांपा।** जिले के ग्राम पंचायत बनाहिल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने एक गरीब परिवार के जीवन में खुशियों की नई रोशनी भर दी है। ग्राम बनाहिल निवासी हितग्राही रोहित, पिता बिसाहू राम वर्षों से खपरे व टीन की छत से बने कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे थे। बरसात के दिनों में पानी टपकना, ठंड व गर्मी की मार तथा असुरक्षित आवास उनकी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी थी। आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना था।

शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने इस सपने को साकार किया। वित्तीय वर्ष 2024 25 में हितग्राही रोहित का आवास स्वीकृत किया गया तथा 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि उनके बैंक खाते में प्रदान की गई। इसके पश्चात निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कर लिया गया, जिसकी पूर्णता वर्ष 2025 26 में हुई। आज रोहित अपने पक्के, सुरक्षित और सम्मानजनक मकान में परिवार सहित सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। साथ ही वे उज्जवला योजना के अंतर्गत एल.पी.जी. कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जलवाहित शौचालय जैसी सुविधाओं से भी लाभान्वित हैं।

हितग्राही रोहित कहते है कि प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे लिए वरदान साबित हुई है। आज मेरे सिर पर पक्की छत है। यह सपना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। इसके लिए मैं शासन-प्रशासन का धन्यवाद करता हूँ। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण वास्तव में गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास के साथ सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है।

## राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

**जांजगीर-चांपा।** कलेक्टर के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिका दिवस के अवसर पर 24 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे जिला ऑडिटोरियम जांजगीर में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में जिले के हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी में वर्ष 2024-25 में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं व वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता हेतु चयनित बालिकाओं तथा भारत स्काउट एवं गाइड्स छ.ग. अंतर्गत राज्यपाल, राष्ट्रपति गाइड के लिये चयनित बालिकाओं एवं ''सेल्फी-विथ-डॉटर'' के सर्वश्रेष्ठ फोटो (सेल्फी) पोस्ट करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय प्रतिभागियों को सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।


**कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा**
**जिला- कोरबा (छ.ग.)**

क्रमांक/निर्माण/2025-26 /8330 कोरबा,दिनांक 19.01.26

**//निविदा निरस्तीकरण सूचना//**

कार्यालयीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना पत्र क्रमांक 4682 दिनांक 28.11.2025 के द्वारा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर आदिवासी बालक आश्रम अरसिया का रेनोवेशन कार्य हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रण सूचना का प्रकाशन किया गया था, जिसकी कुल लागत राशि रू. 49.88 लाख है, उक्त निविदा में दो निविदाकारों द्वारा भाग लिया गय, दोनों निविदाकार अपात्र होने के कारण निरस्त किया जाता है।

**सहायक आयुक्त**
**आदिवासी विकास, कोरबा**

जी-252606176/4


## 11 से 13 फरवरी को होगा जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला आयोजन

**जांजगीर-चांपा।** जिले में प्रस्तावित जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला को सफल, सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं जनसहभागिता युक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला आयोजन 11 से 13 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, पूर्व संसदीय सचिव अम्बेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह ठाकुर एवं जनप्रतिनिधिगण, मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा अपने विचार एवं महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव के दौरान लोक संस्कृति, परंपराओं एवं सांस्कृतिक धरोहर को प्रमुखता से प्रदर्शित करने साथ ही सुप्रसिद्ध कलाकारों, स्थानीय कलाकारों, लोक नृत्य, लोक गायन प्रस्तुतियों को मंच प्रदान किया जाएगा।

## सड़कों पर मॉडिफाइड व बिना नंबर प्लेट की बाइक दौड़ रही

**जांजगीर।** जिले में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है और पुलिस द्वारा लोगों को



यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद शहर की सड़कों पर बिना नंबर प्लेट और मॉडिफाइड बाइक बेखौफ दौड़ती नजर आ रही हैं। बुधवार दोपहर बीटीआई चौक के पास एक अजीब तरह से मॉडिफाइड बाइक देखी गई। बाइक का रंग बदला हुआ था और उस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। बाइक चालक चांपा रोड से होते हुए बीटीआई चौक की ओर बढ़ गया।

# कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा



**जांजगीर-चांपा।** कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच की सजावट, ध्वजारोहण, हर्षफायर, परेड रिहर्सल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, साउंड सिस्टम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी सहित अन्य आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह ठाकुर, एसडीएम सुब्रत प्रधान सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## अनमोल वचन......

व्यस्त रहना ही काफी नहीं है, चींटियाँ भी व्यस्त रहती हैं। सवाल यह है कि हम किस काम में व्यस्त हैं?

# विश्वास का संकट पैदा

पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर लगातार दो नाकामियों के बाद इस परियोजना को लेकर विश्वास का संकट पैदा हो गया है। पीएसएलवी रॉकेट की 62वीं उड़ान की नाकामी से भारत की उपग्रह संबंधी महत्त्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा है। ये चोट इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले साल मई में पीएसएलवी की 61वीं उड़ान भी फेल हो गई थी। सोमवार को पीएसएलवी-सी62 एक साथ 16 उपग्रहों को लेकर उड़ा, लेकिन उड़ान के तीसरे चरण में उससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का संपर्क टूट गया। वे उपग्रह कहां गए, सोमवार को यह भी पता नहीं चल सका था। पीएसएलवी-सी61-ईओएस-09 के साथ भी ठीक यही हुआ था। यानी इसरो के वैज्ञानिक सात महीनों के दौरान उस खामी से निजात नहीं पा सके, जिस कारण बीते मई में उनका मिशन विफल हुआ। उस नाकामी की जांच के लिए समिति बनी थी, जिसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई, जहां उसे गोपनीय श्रेणी में डाल कर रखा गया है। यानी जिन करदाताओं के पैसे से इसरो चलता है, उन्हें इस सूचना से वंचित रखा गया है कि उनका पैसा क्यों बर्बाद हुआ। अब फिर वैसा ही हादसा ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ है। पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर अब आशंका है कि लगातार दो नाकामियों के बाद इस रॉकेट लॉन्च के लिए बीमा की रकम बढ़ जाएगी और जो देश या कंपनियां इसके जरिए अपने उपग्रह भेजना चाहेंगी, उनके लिए इसरो को ठेका देना बेहद महंगा हो जाएगा। विश्वास का जो संकट पैदा हुआ है, वह इसके अलग है। इस विकट स्थिति से निकलने का उचित तरीका यही होगा कि भारत सरकार और इसरो पूरी पारदर्शिता बरतें। वे दोनों नाकामियों के बारे में सभी हित-धारकों को भरोसे में लें। नाकामियों के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। आखिर बिना पुरानी खामी को दूर किए अगले लॉन्च को कैसे हरी झंडी दी गई और किस स्तर पर ये फैसला हुआ, यह देश को मालूम होना चाहिए। पीएसएलवी-सी62 डीआरडीओ का अन्वेष उपग्रह भी ले जा रहा था। यानी इस नाकामी का असर भारत की रक्षा तैयारियों पर भी पड़ेगा। इसलिए इस संबंध में पूरी जांच एवं पारदर्शिता अनिवार्य है।

## राशिफल

मेष राशि - उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिज़नेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी।

वृष राशि - संतान पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रूचि बढ़ सकती है। आपको जीवनसाथी से कार्यों में सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि - आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त की नाराजगी आज ख़त्म होगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा।

कर्क राशि - आज अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

सिंह राशि - आज पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। आप जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि - आज किस्मत का खूब साथ मिलेगा आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

तुला राशि - शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा।

वृश्चिक राशि - बिज़नेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा होगा आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु राशि - ऑफिस में रुके हुए काम समय से पूरे हो जायेंगे आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी ख़ास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्त की बर्थ-डे पार्टी मे जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज नई स्किल सीख सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मकर राशि - एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि - आज आपको माता-पिता का सहयोग मिलता रहेगा आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ [ ालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं।

मीन राशि - आज पारिवारिक माहौल शानदार रहने वाला है आज आपका दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है ।

# एआई से आत्मनिर्भरता तकः महिलाओं और युवाओं का नया भविष्य

//श्रीमती कविता भाटिया//

**भारत इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों में जुटा है। इस समिट में दुनिया भर के एआई के धुरंधर शामिल होंगे और इस वैश्विक मंच पर भारत के युवाओं को भी अपना पुरुषार्थ दिखाने का अवसर मिलेगा। अब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल मशीनों, एल्गोरिदम या ऑटोमेशन तक सीमित नहीं है। असली चर्चा इस बात की है कि एआई को सभी के लिए उपयोगी और सुलभ कैसे बनाया जाए। खासतौर पर महिलाओं, युवाओं और उन कामगारों के लिए, जो अब तक औपचारिक अर्थव्यवस्था से दूर रहे हैं।**

एआई की सबसे बड़ी ताकत यह नहीं है कि वह इंसानों की जगह ले ले, बल्कि यह है कि वह इंसानों की क्षमता बढ़ाए। अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो एआई महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकता है, युवाओं को नए कौशल दे सकता है और असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों को सुरक्षा और अवसर दोनों दे सकता है।

इसी सोच के साथ मार्च 2024 में सरकार ने इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। इस मिशन का उद्देश्य है—भारत में एआई का विकास करना और एआई को भारत की जरूरतों के अनुसार काम में लाना। इसके तहत कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, नए इनोवेशन सेंटर खोलने, भरोसेमंद डेटा प्लेटफॉर्म बनाने, एआई आधारित एप्लिकेशन विकसित करने, युवाओं को भविष्य के कौशल सिखाने और स्टार्टअप्स को वित्तीय मदद देने जैसे कई कदम उठाए गए। उनके सकारात्मक और सुखद परिणाम अब शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, लैब से लेकर खेतों तक और संगीत व कला जैसे हर क्षेत्र में दिखाई देने लगे हैं।इस मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, जहाँ खास तौर पर समावेशी विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ ऐसे एआई मॉडल तैयार किए जा रहे हैं, जो भारत की भाषाई और सामाजिक विविधता को समझ सकें। ये मॉडल किसानों, महिला उद्यमियों, गिग वर्कर्स और छोटे व्यापारियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक, छोटे-छोटे सलाह देने वाले डिजिटल टूल और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ज्ञान आधारित सिस्टम इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

दुनिया के कई देशों में एआई को केवल उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के औज़ार के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन भारत में एआई का असली असर रोज़गार, सुरक्षा, प्रशिक्षण और अवसर के रूप में सामने आ रहा है। फरवरी 2026 में होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में इसी सोच पर चर्चा होगी कि एआई का इस्तेमाल जनता, विकास और धरती के हित में कैसे किया जाए। आज भारत की गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में महिलाएं एआई की मदद से नई पहचान बना रही हैं। कई महिला उद्यमी एआई आधारित ऑनलाइन बाज़ारों से जुड़कर अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। वहीं, टैक्सी चलाने वाली या डिलीवरी का काम करने वाली महिलाएं एआई आधारित सुरक्षा सुविधाओं की वजह से ज़्यादा सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरी महसूस कर रही हैं।उदाहरण के लिए, ब्यूटी और हेल्थ से जुड़े प्लेटफॉर्म एआई का इस्तेमाल कर ग्राहकों को सही सेवा प्रदाता से जोड़ते हैं। इसमें स्थान, कौशल और पुराने अनुभव जैसी जानकारियों का ध्यान रखा जाता है। इससे महिलाओं को लचीले काम के घंटे, तय आमदनी और बेहतर सुरक्षा मिलती है। इसी तरह, टैक्सी और डिलीवरी सेवाओं में रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग और वॉयस-एक्टिवेटेड इमरजेंसी फीचर जैसी सुविधाओं ने महिला ड्राइवर्स का भरोसा बढ़ाया है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में भी एआई डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में काम करने वाले एआई सहायक और आवाज से चलने वाली डिजिटल भुगतान सेवाएं उन महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही हैं, जो पढ़ना-लिखना कम जानती हैं। अब वे बिना झिझक अपने पैसों का लेन-देन और प्रबंधन कर पा रही हैं।

युवाओं के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि नए भविष्य का दरवाज़ा है। सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर देशभर में एआई से जुड़े कौशल सिखा रहे हैं, चाहे वह बुनियादी डिजिटल जानकारी हो या उन्नत मशीन लर्निंग। इसी कड़ी में शुरू किया गया 'युवा एआई फॉर ऑल' अभियान लाखों छात्रों को एआई की बुनियादी समझ दे रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिये यह कोशिश की जा रही है कि एआई का ज्ञान किसी एक वर्ग तक सीमित न रहे।आज एआई की भूमिका केवल रोज़गार तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह जन-कल्याण से भी जुड़ गई है। कई स्टार्ट-अप्स रिहायशी इलाकों और दफ्तरों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एआई आधारित निगरानी और विश्लेषण सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, आपातकालीन सेवाओं में एआई आधारित शिकायत निवारण सिस्टम से प्रतिक्रिया का समय कम हुआ है और सेवाएं ज़्यादा प्रभावी बनी हैं।खेती के क्षेत्र में भी एआई बड़ा बदलाव ला रहा है। मौसम, कीट और फसल से जुड़े जोखिमों का अनुमान लगाकर एआई किसानों, खासकर महिला किसानों को बेहतर फैसले लेने में मदद कर रहा है। फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के ज़रिये एआई आधारित क्रेडिट स्कोरिंग से उन महिला-नेतृत्व वाले कारोबारों को भी कर्ज़ मिल पा रहा है, जो पहले बैंकिंग व्यवस्था से बाहर थे।नीति आयोग की रिपोर्ट भी बताती है कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर करोड़ों असंगठित कामगारों को सशक्त बना सकता है। ये वही लोग हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसका नैतिक और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करना भी ज़रूरी हो गया है। भारत का दृष्टिकोण सभी के लिए एआई पर आधारित है, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर पर ज़ोर दिया गया है। डिजिटल श्रमसेतु जैसी पहलें असंगठित क्षेत्र में तकनीक को पहुंचाने का काम कर रही हैं। भारत की पहली डिजिटल क्रांति ने लोगों को जोड़ा, अब अगली एआई क्रांति का लक्ष्य उन्हें नए अवसर देना होना चाहिए। ऐसा भविष्य, जहाँ गांव की महिला उद्यमी, दूर-दराज़ का युवा और शहर का स्टार्टअप संस्थापक- सभी एआई के लाभ में बराबर के भागीदार हों।भारत में एआई की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसके एल्गोरिदम कितने जटिल हैं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि वह कितने लोगों को आगे बढ़ने का मौका देता है। महिलाएं, युवा और कामगार अब केवल लाभ लेने वाले नहीं हैं, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी एआई अर्थव्यवस्था के निर्माता बन रहे हैं। यही भारत की असली ताकत है।

# बड़े पैमाने पर निर्माण निश्चितता के साथ कार्य पूर्णता

//विनायक पाई//

**पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है। आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।**

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है।

इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति – गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है - समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक हैः विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं–जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं–अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन। उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं। राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण–जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है– ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एकः उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है।नीति निर्माताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता हैः अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है। स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है। ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है।भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए। प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैंः जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करनानिर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरणतकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माणगति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम-साझाकरण व्यवस्था भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है। आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

## भारत के सामने नई चुनौती बांग्लादेश

भारत के सामने नई बड़ी चुनौती बांग्लादेश की खड़ी हो गई है। वहां 12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं, जिसमें शेख हसीना की आवामी लीग चुनाव नहीं लड़ रही है। मुख्य मुकाबला दिवंगत खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात ए इस्लामी के बीच है। दोनों कट्टरपंथी पार्टियां हैं और दोनों का रुख बुनियादी रूप से भारत विरोधी रहा है। भारत के लिए कम खराब पार्टी बीएनपी है। लेकिन चुनाव से पहले जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शुरू हुए हैं और धारावाहिक की तरह हर दिन कहीं न कहीं किसी हिंदू के मारे जाने, हिंदू महिला को प्रताड़ित किए जाने या हिंदू घरों पर हमले की खबरें आ रही हैं और भारत सरकार कुछ नहीं कर पा रही है उससे सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़े होते हैं। यह सवाल इसलिए खड़े होते हैं क्योंकि आज की दुनिया में हर देश अपने नागरिकों और अपने धर्म को बचाने के लिए लड़ रहा है। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाइजीरिया पर हमला कर दिया। उन्होंने इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर बमबारी की। नाइजीरिया पर हमले और बमबारी से पहले राष्टपति ट्रंप ने कहा कि वहां ईसाई समुदाय के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। सोचें, अमेरिका ने नाइजीरिया में ईसाई बनाम मुस्लिम के झगड़े में दखल दिया। उन्होंने ईसाईयों को बचाने के लिए इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर हमला किया। उससे पहले उन्होंने जी20 से दक्षिण अफ्रीका को इसलिए बाहर किया क्योंकि उनका कहना था कि दक्षिण अफ्रीका में ईसाईयों के साथ भेदभाव हो रहा है और उनको परेशान किया जा रहा है। बांग्लादेश में इसी तरह डेढ़ करोड़ की हिंदू आबादी प्रताड़ित हो रही है। लेकिन भारत सरकार ने राष्टपति ट्रंप की तरह राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। राजनियक स्तर पर बांग्लादेश के उच्चायुक्त को बुला कर शिकायत करने के अलावा भारत ने कुछ नहीं किया। ध्यान रहे भारत ने जब से शेख हसीना को अपने यहां शरण दी है तब से बांग्लादेश में हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं लेकिन भारत निर्णायिक दखल देने का फैसला नहीं कर पा रहा है। चुनाव के बाद निश्चित रूप से कट्टरपंथियों की सरकार बनेगी और तब भी ऐसे ही हमले जारी रहे तो भारत क्या करेगा। यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि उसके बाद फिर बांग्लादेश से शरणार्थियों के भारत आने का सिलसिला बढ़ेगा। यह भारत के लिए बड़ी समस्या बन सकती है। इसी तरह पाकिस्तान से निपटने का मामला भी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वह अपनी ताकत बढ़ा रहा है। वह चीन और तुर्किए से हथियार और ड्रोन खरीद रहा है। अपनी जीत का नैरेटिव बना रहा है और दावा कर रहा है कि भारत के साथ सीमित जंग के बाद उसके जे 17 विमानों की मांग बढ़ गई है।

## तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु के लिए बीजेपी चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने एएमएमके पार्टी के जनरल सेक्रेटरी टी. टी. वी. दिनाकरन और अन्य लोगों के साथ हाथ मिलाया, जब दिनाकरन ने बुधवार, 21 जनवरी, 2026 को चेन्नई में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तमिलनाडु में एनडीए में शामिल होने के अपनी पार्टी के फैसले की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्य लोग भी मौजूद थे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उत्तर प्रदेश विधानसभा स्पीकर सतीश महाना के साथ लखनऊ में विधान भवन के तिलक हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

वाराणसी में राजेंद्र प्रसाद घाट के पास नलवा वीर बाबा मंदिर में रूसी टूरिस्ट कॉन्स्टेंटिन (50) और मरीना (35) ने पारंपरिक हिंदू शादी समारोह में शादी की, जिसमें पुजारी शिवकांत पांडे ने रस्में पूरी करवाई।

अमेरिकी सेना के सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल का नई दिल्ली पहुंचने पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने स्वागत किया।

इंदौर के भागीरथपुरा में हेमंत गायकवाड़ की मौत पर परिवार वाले शोक मना रहे हैं। उनकी मौत कथित तौर पर दूषित पानी की वजह से हुए गंभीर डायरिया और उल्टी से हुई।

जम्मू और कश्मीर के बिजबेहारा में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले नेशनल हाईवे पर फ्रिस्किंग और सुरक्षा जांच करते पुलिसकर्मी।

# सबरीमाला में सबने मिलकर लूटी स्वामी अय्यप्पा की संपत्ति

## हाईकोर्ट ने पूर्व टीडीबी अध्यक्ष की जमानत याचिका खारिज की



**कोच्चि, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

केरल हाई कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामलों में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि आरोपितों ने संपत्ति की रक्षा के नाम पर मिलकर स्वामी अय्यप्पा की संपत्ति लूटी।इसी आधार पर न्यायालय ने टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू और कर्नाटक के स्वर्ण व्यापारी आरपी नागा गोवर्धन की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन ने 119 पन्नों के आदेश में कहा कि अभियोजन रिकार्ड से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि आरोपितों ने देवता की संपत्ति की सुरक्षा का बहाना बनाकर संयुक्त रूप से गबन किया। अदालत ने माना कि इस सोने का प्राचीन मूल्य पैसों में नहीं आंका जा सकता, इसलिए ये अपराध सामान्य मामलों से अलग और जमानत के नियम के अपवाद की श्रेणी में आते हैं। अदालत ने कहा कि मंदिर की संपत्ति की रक्षा के लिए नियुक्त लोग ही जब लुटेरे बन जाएं, तो जमानत पर रिहाई नहीं दी जा सकती।

उन्नीकृष्णन पोट्टी को मिली वैधानिक जमानतइस बीच, कोल्लम की सतर्कता अदालत ने मुख्य आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी को श्रीकोविल द्वारों से जुड़े मामले में वैधानिक जमानत दी, क्योंकि 90 दिनों में आरोपपत्र दाखिल नहीं हो सका।हालांकि, द्वारपालक मूर्तियों से जुड़े दूसरे मामले में गिरफ्तारी के कारण उनकी जेल से रिहाई नहीं हो पाएगी।उधर, ईडी की कार्रवाई के बाद जांच का दायरा और बढ़ा है। देवस्वोम बोर्ड से जुड़े दस्तावेजों, बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। पूरे मामले पर सत्तारूढ़ सीपीआइएम रक्षात्मक मुद्रा में नजर आई और पार्टी सूत्रों ने इसे राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई बताया।

### समझ में नहीं आ रहा ट्रंप को क्यों चाहिए ग्रीनलैंड, पूर्व अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने राष्ट्रपति की मंशा पर उठाया सवाल

**नई दिल्ली।** अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी और विदेश नीति विशेषज्ञ डेनियल एल डेविस ने ग्रीनलैंड को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंशा पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह समझ में नहीं आ रहा है कि उनको ग्रीनलैंड क्यों चाहिए। अमेरिका के लिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण पाना सैन्य, कूटनीतिक या रणनीतिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। यह न केवल अमेरिका बल्कि उसके गठबंधन के लिए भी नुकसानदेह है। डेविस ने एएनआइ को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ग्रीनलैंड पर ट्रंप के दावों का कोई औचित्य नहीं है। डेनमार्क के नियंत्रण वाले इस द्वीप पर ट्रंप के कब्जे की योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण प्रश्न है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसके अस्तित्व की कोई जरूरत नहीं है। डेविस ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति ट्रंप को क्या प्रेरित कर रहा है। यह भी देखना होगा कि क्या यह वैध है या नहीं।

# नेपाल आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री मैदान में, केपी ओली इस जगह से ठोक रहे ताल



**काठमांडू, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के बाद अब चुनाव होने हैं। पांच मार्च को होने वाले चुनावों के लिए चार पूर्व प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अपदस्थ पीएम के पी शर्मा ओली झापा-5 से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड ने रुकुम पूर्व से नामांकन दाखिल किया है। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, माधव कुमार नेपाल और बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। वहीं, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। मैदान में सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री ही नहीं हैं।

देश भर के तीन महापौरों ने भी चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने के लिए अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इन तीनों में प्रमुख और लोकप्रिय हैं काठमांडू महानगरपालिका के पूर्व महापौर बलेंद्र शाह बालेन, जिन्होंने पूर्वी नेपाल के झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए पद छोड़ दिया। अन्य दो हैं धरान उप-महानगरपालिका के महापौर हरका संपंग, जो सुनसरी-1 से चुनाव लड़ रहे हैं। साथ ही प्रचंड की बेटी रेणु दहल, जो भरतपुर महानगरपालिका की महापौर रह चुकी हैं और चितवन-3 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी।

# किसान अब खेती के साथ साथ सौर ऊर्जा से कर सकेंगे दोगुनी आमदनी

## दिल्ली सरकार ने प्रक्रिया को बनाया सरल

**नई दिल्ली।** दिल्ली को भारत की सोलर कैपिटल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार ने कृषि भूमि पर सौर संयंत्र लगाने की प्रक्रियाओं को सरल बनाने की घोषणा की है। दशकों से चली आ रही लालफीताशाही को समाप्त करते हुए सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऊंचे सौर सिस्टम लगाने से दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम 1954 का उल्लंघन नहीं होता है। इसके साथ ही हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन की आवश्यकता भी समाप्त कर दी है। ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने इसे किसानों को साधन संपन्न बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि अब दिल्ली का किसान अपनी जमीन पर खेती करेगा और उसी जमीन पर इसी के साथ ही सौर ऊर्जा उत्पन्न कर अपनी आय बढ़ा सकेगा। दरअसल दिल्ली में वर्षों से जटिल भूमि नियमों के कारण सौर ऊर्जा की संभावनाएं सीमित थीं। नए निर्देश के तहत किसान अब अपने खेतों में ऊपर सौर ऊर्जा सयंत्र से सौर ऊर्जा का उत्पादन करते हुए नीचे परंपरागत खेती कर सकेंगे। सूद ने कहा है कि बहुत लंबे समय तक दिल्ली की ऊर्जा क्षमता वर्षों पुराने कानूनी जाल में फंसी रही। कहा कि जब दुनिया केंद्रीयकृत ऊर्जा की ओर बढ़ रही थी तब दिल्ली के किसान ऐसी अनुमतियों का इंतज़ार कर रहे थे जो उनको कभी मिली ही नहीं। उन्होंने कहा कि आज हम 'नो ऑब्जेक्शन' की बाधाओं को समाप्त कर रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि डीडीए , दिल्ली सरकार का विधि विभाग और राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर वर्तमान सरकार ने रिकार्ड समय में कानूनी बाधाओं को दूर किया है, ताकि दिल्ली सबसे आगे रहे।

# तेलंगाना में 100 कुत्तों को जहर देने का आरोप मामले में सरपंच समेत तीन पर केस दर्ज



**हैदराबाद 22 जनवरी।** तेलंगाना में आवारा कुत्तों की कथित हत्याओं का सिलसिला जारी है। ताजा मामले में हैदराबाद के पास याचारम गांव में करीब 100 आवारा कुत्तों को जहर देकर मारने का आरोप सामने आया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और एक वार्ड सदस्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।यह घटना छह जनवरी के बाद से राज्य के विभिन्न जिलों में लगभग पांच सौ आवारा कुत्तों के मारे जाने की घटनाओं की कड़ी में सामने आई है। भारतीय आवारा पशु फाउंडेशन से जुड़े एक पशु कल्याण कार्यकर्ता ने याचारम पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया है कि 19 जनवरी को कुत्तों को जहरीले पदार्थ का इंजेक्शन दिया गया। पुलिस के अनुसार, शिकायत में 100 कुत्तों की मौत का दावा किया गया है, हालांकि प्रारंभिक जांच और ग्रामीणों से मिली जानकारी के आधार पर अब तक करीब 50 कुत्तों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। वास्तविक संख्या और कुत्तों के शवों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।पुलिस को संदेह है कि कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों ने दिसंबर में हुए ग्राम पंचायत चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा करने के लिए आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के नाम पर इन कथित हत्याओं को अंजाम दिया।

### केरल में युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली आरोपित महिला गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर वायरल किया था झूठा वीडियो

**कोझिकोड 22 जनवरी।** सोशल मीडिया पर वायरल किए गए कथित वीडियो से जुड़े दीपक यू की मौत के मामले में पुलिस ने वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने की आरोपित महिला शिमजिथा को गिरफ्तार कर लिया है। उसे वडकरा से हिरासत में लेकर कुन्नमंगलम की मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।महिला को मलप्पुरम जिले की मंजेरी जेल भेजा गया है। दीपक की मौत के बाद उनके माता-पिता की शिकायत पर महिला के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया था। इस बीच मेडिकल कालेज पुलिस स्टेशन के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी गुपचुप तरीके से की गई और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

# केंद्रीय मंत्री शिवराज के घर गूंजी किलकारी बड़ी बहू अमानत ने दिया बेटी को जन्म

## दादा ने पोती के कान में फूंका गायत्री मंत्र

**भोपाल।** केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर खुशियों की बहार है। बुधवार को दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) में उनके बड़े बेटे कार्तिकेय चौहान की पत्नी अमानत ने एक बेटी को जन्म दिया। इसके साथ ही शिवराज सिंह चौहान दादा बन गए हैं और परिवार में नई सदस्य 'इला' का स्वागत हुआ है। इस आनंदमय मौके पर शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा- हमारे घर आज लाडली लक्ष्मी आई है। कार्तिकेय पिता बन गए, अमानत मां। कोकिला (साधना) अब दादी जी हैं और मैं दादा। कुणाल और त्रिद्धि चाचा और चाची। अनुपम जी नाना, रूचिता जी नानी और आर्यन मामा। वीडियो में भावुक पल साफ नजर आते हैं, जब डॉक्टर नवजात बच्ची को गोद में लेकर बाहर आते हैं।

पहली झलक पाते ही कार्तिकेय चौहान की आंखों में खुशी छलक उठती है। परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में बच्ची को पिता की गोद में सौंपा जाता है। इसी दौरान जब मेडिकल स्टाफ पूछता है–कौन आई है? तो जवाब मिलता है–इला आई है। यह सुनते ही वहां मौजूद सभी चेहरों पर मुस्कान बिखर जाती है। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान अपनी पोती के कान में गायत्री मंत्र का उच्चारण करते दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि कार्तिकेय चौहान और अमानत बंसल का विवाह 6 मार्च 2025 को हुआ था।

# सुनीता विलियम्स रिटायर: 3 मिशन, 608 दिन अंतरिक्ष में, महिलाओं में सबसे ज्यादा स्पेसवॉक का रिकॉर्ड



**नई दिल्ली।** नासा की अंतरिक्ष यात्री भारतवंशी सुनीता विलियम्स 27 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गई हैं। नासा के अनुसार, विलियम्स 27 दिसंबर 2025 से एजेंसी से सेवानिवृत्त हो गई हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन मिशन किए। अपने उल्लेखनीय करियर के दौरान विलियम्स ने अंतरिक्ष में मानव उड़ान के कई रिकार्ड बनाए, जिनमें अंतरिक्ष में 608 दिन बिताना भी शामिल है, जो नासा के अंतरिक्ष यात्री द्वारा दूसरा सबसे लंबा समय है। नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने कहा, विलियम्स ने अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने नेतृत्व के माध्यम से अन्वेषण के भविष्य को आकार दिया। विलियम्स का जन्म यूक्लिड (ओहायो) में हुआ। उनके पिता गुजरात के झुलासन के रहने वाले थे, जो बाद में अमेरिका चले गए थे और स्लोवेनियाई मूल की बानी पंड्या से विवाह किया।विलियम्स की अंतरिक्ष यात्रा करियर की शुरुआत नौ दिसंबर 2006 को हुई। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण और संचालन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हाल ही में, उन्होंने भविष्य में चंद्रमा पर उतरने के लिए हेलीकाप्टर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली व्यक्ति हैं।विलियम्स ने नौ स्पेस वाक पूरे किए, जिनका समय 62 घंटे और 6 मिनट था। यह किसी महिला द्वारा किए गए सबसे लंबे स्पेस वाक का रिकार्ड है और कुल स्पेस वाक अवधि की सूची में चौथे स्थान पर है।विलियम्स फिलहाल भारत दौरे पर हैं। उन्होंने आंखें सितारों पर, पैर जमीन पर शीर्षक वाले एक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा ने जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को बदल दिया। जब आप अंतरिक्ष से पृथ्वी को एक ग्रह के रूप में देखते हैं, तो मनुष्यों का आपस में बहस करना या मुद्दों पर मतभेद रखना बेवकूफी भरा लगता है।

### सोशल मीडिया पर नुस्खा देखना पड़ गया भारी, वजन घटाने के चक्कर में बोरैक्स खाने से छात्रा की मौत

**मदुरई।** सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वजन घटाने के खतरनाक नुस्खों ने एक और जान ले ली। तमिलनाडु के मदुरई में 19 वर्षीय कालेज छात्रा की बोरैक्स सेवन से मौत हो गई। छात्रा ने यह पदार्थ एक सोशल मीडिया वीडियो में बताए गए तरीके के अनुसार वजन कम करने के लिए लिया था। पुलिस के अनुसार, मृतका कलैयारसी प्रथम वर्ष की छात्रा थी और वजन घटाने के उपाय तलाश रही थी। इसी दौरान उसने यूट्यूब पर बोरैक्स सेफैट पिघलाएं और शरीर पतला करें शीर्षक वाला वीडियो देखा। इससे प्रभावित होकर उसने दवा की दुकान से बोरैक्स खरीदकर उसका सेवन किया। इसके कुछ ही समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी।

# शिक्षक भर्ती घोटाले में बड़ी कार्रवाई, TMC विधायक और बिचौलिया की 57.78 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

**कोलकाता।** बंगाल के बहुचर्चित स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी ने शिकंजा और कस दिया है। कोलकाता जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत कक्षा 11 से 12 के सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले में 57.78 करोड़ की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी की इस कार्रवाई की जद में तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा, मुख्य बिचौलिये प्रसन्न कुमार राय और उनके सहयोगी आए हैं। जब्त की गई संपत्तियों में राजारहाट, न्यू टाउन, पाथरघाटा और हिडको क्षेत्रों के आलीशान अपार्टमेंट, विला और भूमि शामिल हैं।इसके अलावा मुर्शिदाबाद और पूर्व बर्द्धमान जिले में भी संपत्तियां जब्त की गई हैं। जांच में पता चला कि यह संपत्तियां सहायक शिक्षकों की अवैध नियुक्तियों से अर्जित धन से खरीदी गई थीं। सीबीआई की एफआईआर के आधार पर शुरू हुई इस जांच में सामने आया कि ओएमआर शीट और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया था। प्रसन्न कुमार राय ने मुख्य बिचौलिये के रूप में कार्य किया और अयोग्य उम्मीदवारों से करोड़ों रुपये नकद वसूले। इस राशि को शेल कंपनियों और एलएलपी के जटिल नेटवर्क के माध्यम से ठिकाने लगाया गया। विधायक जीवन कृष्ण को 25 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया गया था। जांच के अनुसार, साहा ने ग्रुप सी, डी और शिक्षकों की भर्ती के लिए अवैध रूप से धन इकट्ठा किया और अपने परिवार के नाम पर करोड़ों की संपत्ति बनाई। अब तक 698 करोड़ की जब्ती ईडी अब तक बंगाल भर्ती घोटाले के विभिन्न मामलों (ग्रुप सी, डी, प्राइमरी और सहायक शिक्षक) में कुल 698 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने अप्रैल 2025 में इस पूरी भर्ती प्रक्रिया को दूषित मानते हुए 25,753 से नियुक्तियों को रद कर दिया था।तृणमूल कांग्रेस विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं को जिंदा जलाने की धमकी दी है। बंगाल में मालतीपुर के तृणमूल कांग्रेस विधायक अब्दुर रहीम बक्शी ने इस विवादित बोल से भाजपा पर निशाना साधा है। तृणमूल विधायक ने एसआईआर के कथित भय से मृत मोहम्मद जलील की कब्र की मिट्टी को अपने माथे पर लगाया और विरोध प्रदर्शन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को जिंदा जला दिया जाना चाहिए। मोहम्मद जलील की मौत के बाद तृणमूल कांग्रेस ने एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। विधायक इसी प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे।

# झारखंड टीम ने यूके में स्मार्ट और स्वच्छ शहरों के नवाचारों को समझा, जीरो-एमिशन मॉडल और परिवहन प्रणालियां देखीं



**रांची, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में यूनाइटेड किंगडम गए प्रतिनिधिमंडल ने वहां के शहरों के स्वच्छ और स्मार्ट बनानेवाले नवाचारों का अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने यूनाइटेड किंगडम प्रवास के दौरान कोवेंट्री में शहरी नवाचार एवं सतत शहरी प्रबंधन से जुड़े विभिन्न प्रमुख संस्थानों का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य ज़ीरो-एमिशन शहरी माडल, भविष्य की मोबिलिटी प्रणालियां, नवोन्मेषी सार्वजनिक स्थल तथा आधुनिक शहर नियोजन के व्यावहारिक अनुभवों को समझना रहा। प्रतिनिधिमंडल ने कोवेंट्री सिटी कौंसिल एवं कोवेंट्र यूनिवर्सिटी के साथ विस्तृत संवाद कर ज़ीरो-एमिशन सिटी मैनेजमेंट माडल, शहरी नवाचार तथा अकादमिक-प्रशासनिक सहयोग के माध्यम से टिकाऊ शहरों के विकास पर विचार-विमर्श किया। इन चर्चाओं में नीति, तकनीक और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को एकीकृत रूप से अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल ने कोवेंट्री सिटी बस डिपो का दौरा कर ईवी आधारित शहरी परिवहन प्रणालियों में प्रयुक्त प्रमुख तकनीकों एवं संचालन माडल का अध्ययन किया। ज़ीरो-एमिशन बस फ्लीट, स्मार्ट डिपो प्रबंधन तथा स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन के अनुभवों को झारखंड के शहरी संदर्भ में लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। कोवेंट्री सिटी काउंसिल द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से शहरी मोबिलिटी में नवाचार, भविष्य की परिवहन प्रणालियां, शहर नियोजन एवं प्रबंधन, सार्वजनिक स्थलों का विकास तथा कोवेंट्री वेरी लाइट रेल जैसी उन्नत तकनीकों पर विस्तृत चर्चा हुई। वेरी लाइट रेल को किफ़ायती, टिकाऊ एवं नागरिक-अनुकूल शहरी परिवहन समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो आधुनिक शहरों के लिए एक प्रभावी माडल है। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि कोवेंट्री का यह अनुभव झारखंड के शहरों को स्वच्छ, स्मार्ट एवं भविष्य-तैयार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सीख प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इन अंतरराष्ट्रीय अनुभवों के आधार पर झारखंड में शहरी मोबिलिटी, सार्वजनिक परिवहन, शहर नियोजन तथा सार्वजनिक स्थलों के विकास के लिए नवोन्मेषी एवं व्यावहारिक समाधान अपनाए जाएंगे। यह दौरा झारखंड के शहरी विकास को सतत, तकनीक-सक्षम एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# उदयनिधि की टिप्पणी मामले में अमित मालवीय के खिलाफ एफआईआर रद, डीएमके पर भड़की भाजपा

**मदुरै।** मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद कर दिया है। मालवीय पर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर दिए गए बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप था।पीठ ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नफरत फैलाने वाला भाषण देने वालों को छूट क्यों मिल जाती है, जबकि उन पर प्रतिक्रिया देने वालों को कानून का सामना करना पड़ता है। भाजपा ने उदयनिधि को पद से बर्खास्त करने की मांग की है। मालवीय की याचिका को स्वीकार करते हुए जस्टिस एस श्रीमती ने कहा कि मामले को जारी रखना कानून का दुरुपयोग होगा। इसलिए, तिरुचिरापल्ली नगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर रद की जाती है। यह मामला 2023 में उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए गए उन बयानों पर आधारित है, जिनमें उन्होंने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू से करते हुए इसके उन्मूलन का आह्वान किया था।इस पर मालवीय ने कहा था कि यह सनातन धर्म का पालन करने वाली 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार की अपील करने जैसा है। इसके बाद तिरुचिरापल्ली में एक शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अमित मालवीय द्वारा एक्स पर साझा की गई पोस्ट सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली है। हालांकि, अदालत का मत था कि मालवीय ने द्रमुक नेता के बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं किया। खुद उदयनिधि की टिप्पणी नफरती भाषण के समान थी। एएनआई के अनुसार, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन को उनके पद से हटा दिया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए।

# फर्जी डिग्री कांड में MP पहुंची राजस्थान पुलिस, भोपाल से लेकर सीहोर तक छापेमारी



**भोपाल, 22 जनवरी [एजेंसी]।**

राजस्थान में सरकारी नौकरियों के लिए चल रहे फर्जी डिग्री और मार्कशीट के बड़े खेल को ध्वस्त करने के लिए राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एमपी में स्ज्ञस्र की तरह की एजेंसी) ने भोपाल में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी की टीम ने बुधवार को सीहोर से लेकर भोपाल के गांधीनगर, नर्मदापुरम और अरेरा कालोनी स्थित एक शिक्षण समूह और इसके चेयरमैन सुनील कपूर के ठिकानों पर दबिश दी। घंटों चली इस कार्रवाई से शिक्षण संस्थानों में हड़कंप मच गया है। राजस्थान एसओजी की पांच विशेष टीम भारी पुलिस बल के साथ इस समूह से संबद्ध कॉलेज सत्यसांई, भोपाल के शिक्षण संस्थान के साथ समूह के अधिकारी के निवास पर पहुंची। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यूनिवर्सिटी का मुख्य गेट बंद कर दिया गया और स्टाफ व छात्रों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई।टीम ने मुख्य रूप से परीक्षा सेल और प्रशासनिक ब्लॉक में डेरा डाला। पुलिस उन महत्वपूर्ण दस्तावेजों और डिजिटल दस्तावेजों को खंगाल रही है, जिनके जरिए फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां जारी किए जाने का संदेह है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन के मुकेश तिवारी और अंकित जोशी ने इसे एक सामान्य प्रक्रिया बताया था। प्रबंधन का कहना था कि राजस्थान से शिक्षा विभाग की टीम केवल दस्तावेजों के वेरिफिकेशन के लिए आई है।राजस्थान पुलिस की टीम ने इस समूह के चेयरमैन सुनील कपूर के अरेरा कालोनी के दस नंबर स्थित निजी निवास पर भी सर्चिंग की, इसके अलावा उनके सीए पर सर्च की गई।

पुलिस ने उनके घर की बारीकी से तलाशी ली और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की।यह पूरी कार्रवाई राजस्थान में पीटीआई भर्ती परीक्षा 2020 में हुई धांधली की जांच से जुड़ी है। जांच से जुड़े पुलिस सूत्रों का कहना है कि राजस्थान के कई अभ्यर्थियों ने सत्यसाई कालेज व अन्य से जारी डिग्रियां पेश की थीं, जबकि वे कभी पढ़ाई के लिए भोपाल नहीं आए। आरोप है कि संस्थान ने भारीभरकम लेकर बिना परीक्षा और उपस्थिति के बैकडेट (पुरानी तारीखों) में डिग्रियां बांटीं, जिनका उपयोग राजस्थान में सरकारी नौकरी पाने के लिए किया गया। यह फर्जीवाड़ा 2013 से 2022 के बीच का है। सामने आया कि सीहोर-भोपाल रोड पर ग्राम पचामा स्थित श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी से जारी 67 डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं। राजस्थान एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मेश्राम ने बताया कि यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड की सघन जांच की गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि 67 अभ्यर्थियों की डिग्रियां बैक डेट में तैयार की गई थीं, ताकि उन्हें भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जा सके। चौंकाने वाली बात यह है कि यूनिवर्सिटी के आधिकारिक रिकॉर्ड और जांच में मिले दस्तावेजों में भारी विसंगतियां पाई गई हैं।

# कांच के बर्तनों को चमकदार बनाए रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

**कांच के बर्तन रसोई में एक खास जगह रखते हैं। ये देखने में तो सुंदर होते हैं, लेकिन इन्हें साफ और चमकदार बनाए रखना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, खासकर जब बात कांच के गिलास की हो, जो अक्सर इस्तेमाल के बाद धुंधला हो जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कांच के गिलास को हमेशा नए जैसा रख सकते हैं।**

गर्म पानी और बर्तन धोने वाले साबुन का करें इस्तेमाल

गर्म पानी और बर्तन धोने वाले साबुन का मिश्रण आपके कांच के गिलास को साफ करने का सबसे आसान तरीका है। सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें थोड़ा साबुन मिलाएं। अब इस मिश्रण में अपने गिलास को कुछ मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद एक मुलायम स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें और साफ पानी से धो लें। इससे आपके गिलास की सारी गंदगी और दाग हट जाएंगे।

सिरका है बेहतरीन विकल्प

सिरका एक प्राकृतिक सफाई करने वाला पदार्थ है, जो आपके कांच के गिलास को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कप सिरके को गर्म पानी में मिलाकर गिलास को इसमें कुछ मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद एक मुलायम कपड़े से पोंछ लें। इससे आपके गिलास पर कोई भी दाग या धब्बा नहीं रहेगा और वह नए जैसा लगेगा।

नमक का करें उपयोग

नमक का उपयोग भी आपके कांच के गिलास को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़े से नमक को गंदे हिस्से पर छिड़कें और उसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से धो लें। इससे गंदगी आसानी से हट जाएगी और गिलास फिर से चमक उठेगा। नमक एक प्राकृतिक सफाई करने वाला है, जो आपके कांच के बर्तन को सुरक्षित रखता है और उसे नया जैसा दिखाता है।

खाने का सोडा का करें इस्तेमाल

खाने का सोडा एक ऐसी चीज है, जो कई कामों में आता है। आप इसका उपयोग अपने कांच के गिलास को साफ करने के लिए भी कर सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच खाने का सोडा और आधा चम्मच पानी मिलाकर एक पेस्ट बना लें, जिसे गंदे हिस्से पर लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इसके बाद मुलायम स्पंज से रगड़कर साफ पानी से धो लें। इससे गंदगी हट जाएगी और गिलास फिर से चमक उठेगा। नमक एक प्राकृतिक सफाई करने वाला है, जो आपके कांच के बर्तन को सुरक्षित रखता है और उसे नया जैसा दिखाता है।

माइक्रोफाइबर कपड़े का करें उपयोग

माइक्रोफाइबर कपड़ा एक ऐसी सामग्री होती है, जो आपके कांच के बर्तन को बिना किसी रसायन के साफ कर सकती है। इसके लिए बस गंदे हिस्से पर थोड़ा पानी डालकर माइक्रोफाइबर कपड़े से रगड़ें। इससे सारी गंदगी हट जाएगी और आपका कांच नया जैसा दिखेगा।

इन तरीकों को अपनाकर आप अपने कांच के बर्तन को साफ-सुथरा रख सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

## ह्यूमन कोकेन के ट्रेलर ने अपनी डार्क, खतरनाक और बेरहमी से असली दुनिया से दर्शकों को हिलाकर रख दिया

ह्यूमन कोकेन का ट्रेलर आखिरकार अलग-अलग डिजिटल और मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ हो गया है और शुरुआती रिएक्शन आ रहे हैं। चौंकाने वाले विजुअल्स और इंटेंस पलों से भरी यह फिल्म ड्रग रैकेट, क्राइम और सर्वाइवल की छिपी हुई दुनिया में एक रॉ और बेचैन करने वाला लुक दिखाती है। ट्रेलर में पुष्कर जोग को एक कैदी के रूप में पूरी तरह से बदले हुए अवतार में दिखाया गया है, जो एक खतरनाक और मुश्किल जाल में फंसा हुआ है। इशिता राज, जो अपने रोमांटिक और हल्के-फुल्के रोल्स के लिए जानी जाती हैं, पहली बार एक डार्क, ग्रिटी और ग्रे शेड किरदार निभा रही हैं, जो एक एक्ट्रेस के तौर पर उनकी वर्सेटिलिटी दिखाती है। पुष्कर के साथ कैदी बनी इशिता, एक जमीनी और इमोशनल गहराई लाती है जो हर फ्रेम में टेंशन को बढ़ाती है। सिद्धांत कपूर अपने अनोखे लुक से एक ज़बरदस्त असर डालते हैं, एक ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखाई देते हैं जो उनके रहस्यमयी और एजी किरदार को और बढ़ा देता है। जाने-माने एक्टर जाकिर हुसैन एक डरावने और दमदार रोल में हैं, और अपनी खतरनाक मौजूदगी से एक गहरी छाप छोड़ते हैं। ह्यूमन कोकेन कोकेन के एक नए, बहुत महंगे रूप के उभरने को दिखाती है, जिसे बहुत ही बेरहम और परेशान करने वाले प्रोसेस से बनाया गया है। जैसे-जैसे यह डरावनी सच्चाई सामने आती है, पुष्कर जोग और इशिता राज खुद को इसके अंधेरे और खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाते हैं।

इंटेंस पलों, परेशान करने वाले विजुअल्स और कड़वी सच्चाइयों से भरी यह फिल्म असली घटनाओं से प्रेरित एक गहरी कहानी पेश करती है, जो अंडरवर्ल्ड के एक ऐसे पहलू को सामने लाती है जो ज्यादातर अनदेखा रहता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, पुष्कर जोग ने कहा, ह्यूमन कोकेन ने मुझे एक एक्टर और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ाया। यह कैरेक्टर ऐसे हालात में फंसा हुआ है जो उसके कंट्रोल से बाहर हैं और वह लाचारी, वह डर, वह गुस्सा कैमरा बंद होने के बाद भी मेरे साथ रहा। यह मेरे अब तक के सबसे इंटेंस प्रोजेक्ट्स में से एक है। राइटर और डायरेक्टर सरीम मोमिन ने कहा, ह्यूमन कोकेन हमारे आस-पास मौजूद एक डरावनी सच्चाई की झलक है। इसे देखना आरामदायक या आसान नहीं है। यह परेशान करने, उकसाने और बातचीत शुरू करने के लिए है। इस फिल्म का हर किरदार समाज के एक ऐसे पहलू को दिखाता है जो अक्सर छिपा होता है। इशिता राज, सिद्धांत कपूर, जाकिर हुसैन और ब्रिटिश एक्टर्स की एक दमदार टीम वाली इस फिल्म में एक मजबूत इंटरनेशनल एस्थेटिक है। सरीम मोमिन द्वारा डायरेक्ट और लिखी गई, ह्यूमन कोकेन को स्कारलेट स्लेट स्टूडियोज़, वाइनलाइट लिमिटेड और टेक्स्टस्टेप सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले गुजबंप्स एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। प्रोड्यूसर ची टेंग जू और हरित देसाई हैं।

# कान का रूखापन दूर करने के लिए इन चीजों का करें इस्तेमाल

कान का रूखापन एक आम समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या खासकर सर्दियों में अधिक होती है जब हवा में नमी कम होती है। सूखे कान में खुजली, जलन और असहजता महसूस होती है। इस लेख में हम कुछ घरेलू उपायों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने कानों की सूखापन को दूर कर सकते हैं और आराम महसूस कर सकते हैं।

जैतून का तेल लगाएं

जैतून का तेल कानों की सूखापन दूर करने का एक असरदार उपाय है। यह नमी को बनाए रखता है और कान की त्वचा को मुलायम बनाता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में जैतून का तेल लें और उसे हल्के हाथों से कान के अंदर डालें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल का तेल भी कानों की सूखापन दूर करने में मदद करता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व कान की त्वचा को पोषण देते हैं और सूखापन कम करते हैं। इसके लिए थोड़ी मात्रा में नारियल का तेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

बादाम का तेल लगाएं

बादाम का तेल विटामिन से भरपूर होता है, जो कानों की त्वचा को पोषण देता है और सूखापन कम करता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में बादाम का तेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

लहसुन का रस लगाएं

लहसुन का रस कानों को सूखापन दूर करने में मदद करता है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो खुजली और जलन कम करते हैं। इसके लिए कुछ लहसुन की कलियों को पीसकर उनका रस निकाल लें, फिर इस रस को हल्का गर्म करें और कान में डालें। 5-10 मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त रस को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल अपने ठंडक प्रभाव के कारण सूखे कानों को आराम देता है और नमी बनाए रखता है। इसके लिए थोड़ा एलोवेरा जेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त जेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है। इन घरेलू उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपने कानों की सूखापन को कम कर सकते हैं।

## बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही चिरंजीवी की फिल्म, 8वें दिन तोड़ा 'वाल्टेयर वीरैया' का रिकॉर्ड

अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित और चिरंजीवी स्टार मना शंकरा वारा प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि प्रभास की द राजा साब की भी इस फिल्म ने छुट्टी कर दी है. इस फैमिली एंटरटेनर ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. चलिए, यहां जानते हैं मंडे टेस्ट में इस फिल्म का कैसा हाल रहा है? मना शंकरा वारा प्रसाद गारू 12 जनवरी को संक्रांति के त्योहार के बीच रिलीज हुई थी. ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए हैं और तमाम बड़ी फिल्मों के बीच ये दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाब हो रही है. हालांकि 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को इसकी कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई और इसने रिलीज के बाद पहली बार सिंगल डिजिट में कमाई की. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मना शंकरा वारा प्रसाद गारू ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 8 दिनों की कुल कमाई अब 165.90 करोड़ रुपये हो गई है.वहीं रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अपने प्रीमियर से 9.35 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद फिल्म ने पहले दिन 32.25 करोड़, दूसरे दिन 18.75 करोड़ और तीसरे दिन 19.5 करोड़ की कमाई की. चौथे दिन इसने 22 करोड़, पांचवें दिन 19.5 करोड़, छठे दिन 18.9 करोड़ और सातवें दिन 17.65 करोड़ कमाए थे.

## शादी के 10 साल और यह सफर अभी भी जारी है: असिन

फिल्मी दुनिया की चमक-दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। न्होंने शादी की 10वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं। खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया। असिन ने अपनी 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना ऑल ऑफ मी गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है।

असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत वैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा प+आर = एआर, और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शादी के 10 साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है।

इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना माई हार्ट विल गो ऑन बज रहा है। इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। पूरी दुनिया में आप सबसे अच्छे मम्मी-पापा हैं। असिन और राहुल शर्मा की शादी जनवरी 2016 में हुई थी। पहले उनकी शादी ईसाई रीति-रिवाज से हुई और उसके बाद हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद असिन ने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। साल 2017 में दोनों आरिन के माता-पिता बने।

## हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में अनुष्का सेन ने दिखाया किलर अंदाज, बेक लुक देख पानी-पानी हुए लोग

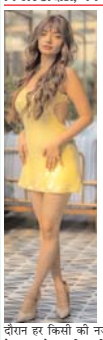

बालवीर, झांसी की रानी और देवों के देव...महादेव जैसे सीरियल्स से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने कान्स फिल्म फेस्टिवल तक अपना जलवा बिखेरा है. एक्ट्रेस सिर्फ पर्दे तक ही सीमित नहीं है, वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती है. इसी बीच अनुष्का ने शॉर्ट ड्रेस में ऐसी फोटोज शेयर की है, जिन्हें देखकर फैंस पानी-पानी हो गए हैं. अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरों से आग लगाती रहती हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अब वन-पीस ड्रेस में शानदार पोज देते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं. लेटेस्ट तस्वीरों में अनुष्का सेन येलो वन पीस शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं. हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया. लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए. हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया. लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए,अनुष्का की पॉपुलैरिटी का अंदाजा उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की संख्या से ही लगाया जा सकता है. इंस्टाग्राम पर उनके 39.2 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं.

## शब्द सामर्थ्य -293

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबूल की दुआएं लेती जा.., गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार खुश 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

**ऊपर से नीचे**

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।



## शब्द सामर्थ्य क्रमांक 292 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मै | दा | न | | स | र | ग | म | |
| त्री | | सी | | | क्षा | | धु | रौं |
| | सा | ह | स | | | | र | |
| स्वा | ग | त | | स | म | झी | ता | |
| व | र | | | र | | | | म |
| लं | | बि | ला | स | | | दा | म |
| बी | न | | ज | | सा | मा | न | ता |
| | ज | | वा | हि | या | त | | |
| त | र | की | ब | | ना | | खा | ली |

## बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और राहु केतु, द राजा साब का बुरा हाल

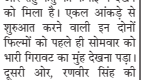

कारोबारी दिनों की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं होती। वीकेंड पर अच्छा कलेक्शन करने वाली कुछ फिल्मों की कमाई में तगड़ी गिरावट देखी जाती है, जैसा अभी हैप्पी पटेल और राहु केतु की कमाई में देखने को मिला है। एकल आंकड़े से शुरुआत करने वाली इन दोनों फिल्मों को पहले ही सोमवार को भारी गिरावट का मुंह देखना पड़ा। दूसरी ओर, रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर अभी भी बॉक्स ऑफिस पर जमी बैठी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, बॉक्स ऑफिस पर 1.25 करोड़ से ओपनिंग लेने वाली हैप्पी पटेल ने पहले सोमवार यानी, चौथे दिन सिर्फ 4 लाख रुपये कमाए हैं। इस तरह वीर दास की फिल्म अपने खाते में कुल 4.75 करोड़ रुपये जमा कर पाई है।

## सू- दोकू क्र.293

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | | | 1 | | 5 | |
| 6 | | | 8 | | | 2 | | 3 |
| | 3 | | | | 2 | | 1 | |
| | | 3 | | 9 | | 5 | | 4 |
| 5 | | | 3 | | | | 9 | |
| | | 4 | | 2 | | | | 6 |
| 4 | | | 2 | | 3 | | 6 | |
| | | 6 | | | | 8 | | 7 |
| | 2 | 9 | 7 | | 6 | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र 292का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 3 | 9 | 7 | 4 | 8 | 6 | 2 | 1 |
| 2 | 1 | 6 | 5 | 9 | 3 | 4 | 7 | 6 |
| 4 | 7 | 8 | 1 | 6 | 2 | 3 | 5 | 9 |
| 3 | 6 | 1 | 8 | 5 | 9 | 2 | 4 | 7 |
| 8 | 5 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 7 | 9 | 4 | 2 | 1 | 6 | 8 | 3 | 5 |
| 6 | 4 | 7 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 | 3 |
| 1 | 8 | 5 | 4 | 3 | 7 | 9 | 6 | 2 |
| 9 | 2 | 3 | 6 | 8 | 5 | 7 | 1 | 4 |

### कोरिया में त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-मातृ मृत्यु और शिशु स्वास्थ्य सुधार पर जोर

# पोषण स्तर बढ़ाने व मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए हर संभव प्रयास जरूरी-कलेक्टर

**कोरिया बैकुंठपुर।** जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से जिला पंचायत के ऑडिटोरियम में त्रिदिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ मृत्यु अनुपात कम करना और एलबीडब्ल्यू (कम वजन वाले शिशु) शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, यूनिसेफ राज्य सलाहकार डॉ. अक्षय तिवारी एवं डॉ. प्रीतम राय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल, महिला बाल विकास विभाग, नीति आयोग और प्रशिक्षण शाखा के अधिकारी तथा अन्य प्रतिभागी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की मृत्यु के कारणों और

उनके समाधान पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि मातृ स्वास्थ्य सुधारने के लिए समाज, परिवार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। प्रशिक्षण में गांवों में समितियों का गठन, पोषण पर ध्यान, एंटीनेटल केयर की गुणवत्ता बढ़ाना और समय पर स्वास्थ्य निगरानी पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में महिला पोषण, विटामिन्स, फोलिक एसिड, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की आवश्यकता और एलबीडब्ल्यू शिशुओं के जोखिम कम करने के उपाय पर ध्यान केंद्रित किया गया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और नियमित परामर्श के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधारने के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुपोषण को हर स्तर पर दूर करने की लड़ाई जारी रहेगी।

उन्होंने महिलाओं की सेहत और एनीमिया रोकने के लिए सुपोषण और पोषणयुक्त आहार पर विशेष जोर दिया ताकि जन्म लेने वाले शिशु स्वस्थ और सही वजन के साथ जन्म लें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने कहा कि यह त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला मातृ व शिशु मृत्यु दर को कम करने में अत्यंत मददगार साबित होगी। उन्होंने कम वजन वाले जन्म दर को कम करने में स्वास्थ्यकर्मी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को जिले में मातृ मृत्यु दर घटाने और शिशु स्वास्थ्य सुधारने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण है।

# रोजगारमूलक कार्यों को हर हाल में दो माह में करें पूरा

**कोरिया बैकुंठपुर।** कोरिया जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत स्वीकृत सभी प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले में कार्यरत सभी निर्माण एजेंसियों को आगामी दो माह के भीतर समस्त प्रगतिरत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के आदेश दिए हैं। जिले की दोनों जनपद पंचायतों में वर्तमान में कुल 1061 मनरेगा कार्य प्रगतिरत हैं, जिनमें प्रतिदिन औसतन 12 हजार पंजीकृत श्रमिक कार्य कर रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार वृक्षारोपण एवं नर्सरी जैसे बहुवर्षीय कार्य, जिनकी संधारण अवधि पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें इस समय-सीमा से पृथक रखा गया है। शेष सभी कार्यों के लिए पूर्णता प्रमाण पत्र ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि सभी विभागों को कार्ययोजना बनाकर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी व्यक्तिमूलक मनरेगा कार्यों को 15 मार्च 2026 तक पूर्ण करना अनिवार्य किया गया है।

### शासकीय कन्या विद्यालय में बालिकाओं को किया गया सशक्त

**एमसीबी।** राष्ट्रीय बालिका दिवस भारत में प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2008 में की गई थी। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के संरक्षण, सेव द गर्ल चाइल्ड, चाइल्ड सेक्स रेशियो में सुधार, बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण के निर्माण को लेकर समाज में व्यापक जन जागरूकता फैलाना है।इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत महिला सशक्तिकरण (हब) द्वारा 16 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति समाज को जागरूक करना है।

# जगद्गुरु शंकराचार्य को स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र-कांग्रेस

### प्रयागराज से जुड़ी घटना पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा नेताओं ने

**कोरिया बैकुंठपुर।** राजीव भवन,कांग्रेस कार्यालय,बैकुंठपुर में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि प्रयागराज माघ मेले में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने तथा उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार की कांग्रेस पार्टी कड़ी निंदा करती है। स्वयं को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदू संतों का ही अपमान कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात ऐसे हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है और वे पिछले 36 घंटों से अनशन पर बैठने को मजबूर हैं,किंतु सरकार की ओर से अब तक उनसे संवाद का कोई प्रयास नहीं किया गया। शंकराचार्य का अपमान केवल एक संत का अपमान नहीं,बल्कि सनातन धर्म का अपमान है।

जिला अध्यक्ष ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक सदियों पुरानी परंपरा है,जिसे न तो मुगलों ने रोका और न ही अंग्रेजों ने,लेकिन भाजपा सरकार ने इस परंपरा को तोड़ने का दुस्साहस किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र की सत्ता में रहते हुए हिंदू धर्म के नाम पर राजनीति करती रही है,लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है। उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है और शंकराचार्य जी को पालकी में जाने तक की अनुमति नहीं दी जा रही। एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है,वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं? जिला अध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का तथाकथित 'अपराध' केवल इतना है कि वे व्यवस्था की कमियों पर सवाल उठाते हैं,सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ की अव्यवस्थाओं और कोविड काल में गंगा में तैरती लाशों जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाते हैं। इसी कारण भाजपा उनके अपमान पर उतारू है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल,महामंत्री बृजवासी तिवारी,वरिष्ठ कांग्रेसी मुख्तार अहमद,ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े,शैलेन्द्र सिंह,विकास श्रीवास्तव, धीरज सिंह एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

### भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा 51 यूनिट रक्तदान

**एमसीबी।** जिले की पुलिस अधीक्षक रश्मि सिंह की प्रेरणा एवं चिरमिरी थाना प्रभारी विजय सिंह की सक्रिय पहल से आज 51 यूनिट रक्तदान किया गया। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा दिनांक 21 जनवरी 2026 को जिला चिकित्सालय, चिरमिरी में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों, युवाओं और स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे आयोजन सफल रहा। आयोजकों ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक सिद्ध होते हैं और समाज में सेवा व जागरूकता की भावना को मजबूत करते हैं।

# कांग्रेस संगठन को मजबूती मंडल अध्यक्षों की सूची जारी

**कोरिया।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कोरिया जिले के विभिन्न मंडलों के लिए अधिकृत मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई है। इस सूची के जारी होने के साथ ही जिले में कांग्रेस संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार यह सूची संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

जारी सूची के अनुसार बैकुंठपुर ब्लॉक अंतर्गत बैकुंठपुर नगर से राजेश कुमार पैकरा, पटना से परेश सिंह, बजरिडांड से बसंत सिंह पोया, पोड़ी से राहुल जायसवाल, मनसुख से विनोद जायसवाल, बुडार से देवनारायण कुशवाहा, बड़गांव से रामसाई सोरी, भाड़ी से राजू भगत, महोरा से संतोष सूर्यवंशी, रनई से अस्तिक शुक्ला तथा ओडगी से दीपक साहू को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बैकुंठपुर नगर के बैकुंठपुर शहर मंडल की जिम्मेदारी अर्पित मनु गुप्ता को सौंपी गई है। इसी तरह सोनहत ब्लॉक अंतर्गत सोनहत से वीरेंद्र कुमार साहू, कठगोड़ी से राजबहादुर राजवाड़े, केशगंवा से दिल कुमार गुप्ता, भैंसवार रजौली से शिवरतन चिकनजुरी तथा रामगढ़ से गणेश गुप्ता को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। शिवपुर चर्चा नगर से जगत कुर्रे को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से कोरिया जिले में कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और अधिक सशक्त होगा तथा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। सूची पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महासचिव मलकीत सिंह गैदू के हस्ताक्षर एवं मुहर अंकित है।

### जल जीवन मिशन म मनमानी की शिकायत के बाद सरकार ने हटाया कार्यपालन अभियंता को

**कोरिया बैकुंठपुर।** कोरिया जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत व्याप्त कथित भ्रष्टाचार को लेकर लंबे समय से उठ रही आवाजों के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार का अंतत: उनके गृह जिले एमसीबी (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) स्थानांतरण कर दिया गया है। यह स्थानांतरण जिले में चल रहे जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली और उस पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर चर्चाओं को और तेज कर गया है। ज्ञात हो कि विगत कई वर्षों से कोरिया जिले में जल जीवन मिशन का संचालन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट नजर आ रही है। जिले के अनेक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आज भी आम नागरिक बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। नल-जल योजनाएं कागजों में पूरी दिखाई जाती हैं, जबकि कई जगहों पर या तो नल सूखे पड़े हैं या फिर योजनाएं अधूरी हैं। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि जल जीवन मिशन के नाम पर व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। पाइपलाइन बिछाने, टंकी निर्माण, मोटर पंप और अन्य कार्यों में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर प्रभावी कार्रवाई न होना शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। आरोप यह भी हैं कि विभाग और अधिकारियों की मजबूत पहुंच के कारण भ्रष्टाचार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, दोषी बच निकलते हैं। योजनाओं पर खर्च होने वाली करोड़ों की राशि के बावजूद आम आदमी को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। परिणामस्वरूप शासन की महत्वाकांक्षी योजनाएं धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही हैं। मामला चाहे जो भी हो, लेकिन सच्चाई यह है कि जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार चरम पर है और कोरिया जिले का आम नागरिक आज भी शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहा है। अब देखना यह होगा कि स्थानांतरण के बाद जांच और जवाबदेही की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं या नहीं।

### श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रेमावाग की प्राण प्रतिष्ठा 7 फरवरी को

**कोरिया बैकुंठपुर।** ईश्वरीय कार्य हेतु गठित इस पावन समूह से जुड़े समस्त सम्मानीय एवं आदरणीय भक्तजनों के सहयोग और अथक सेवा से एक ऐतिहासिक क्षण साकार होने जा रहा है। लगभग 10 वर्षों के लंबे इंतजार और निरंतर साधना, समर्पण व प्रयासों के बाद श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रेमावाग की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 7 फरवरी 2026 को प्रभु श्रीकृष्ण की कृपा से भव्य रूप में संपन्न होने जा रही है। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भक्तों की आस्था, विश्वास और सामूहिक प्रयासों का जीवंत प्रमाण है। मंदिर निर्माण की इस पवित्र यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव आए, किंतु प्रभु की कृपा और भक्तजनों के सहयोग से यह कार्य निरंतर आगे बढ़ता रहा। आज उसी का शुभ फल है कि प्रभु श्री राधा-कृष्ण अपने दिव्य स्वरूप में मंदिर में विराजमान होंगे। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा, व्यवस्था एवं संचालन में सभी भक्तों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समिति ने समस्त भक्तजनों, श्रद्धालुओं, ईष्ट मित्रों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होकर इस अद्भुत एवं ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने का आग्रह किया है। यह अवसर जीवन में विरले ही प्राप्त होता है, जब वर्षों की तपस्या और प्रतीक्षा के बाद प्रभु अपने भक्तों के बीच साकार रूप में प्रतिष्ठित होते हैं। आयोजकों का कहना है कि प्रभु श्री राधा कृष्ण की असीम कृपा और आप सभी के आशीर्वाद से यह महोत्सव सफल होगा। सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाएं और धर्म, भक्ति एवं प्रेम के इस दिव्य उत्सव में सहभागी बनें।

# जनपद सोनहत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मोतियाबिंद नि:शुल्क शिविर का आयोजन

**कोरिया बैकुंठपुर।** जनपद सोनहत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'मोतियाबिंद मुक्त भारत' अभियान के तहत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह पहल अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा शुरू की गई है।

शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों में मोतियाबिंद की समस्या की पहचान कर उन्हें नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चिन्हित करना है। 21 जनवरी को जनपद पंचायत सोनहत में आयोजित शिविर में 87 वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण हुआ और 37 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम सोनहत और सीईओ जनपद पंचायत सोनहत की उपस्थिति में समाज कल्याण विभाग की ओर से 15 वरिष्ठ नागरिकों को छड़ी प्रदान की गई। जिला, जनपद और ग्राम पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जनपद पंचायत और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण, शिविर स्थल पर कुर्सी, टेबल, जल एवं भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों को शिविर स्थल तक पहुँचने और वापस लाने की सुविधा भी प्रदान की गई। आगामी शिविर गुरुवार 2 जनवरी 2026 को मानस भवन, वैकुण्ठपुर में आयोजित किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों से सहयोग की अपील की गई है।

### समय-सीमा बैठक में अधिकारियों से कलेक्टर ने की सख्त समीक्षा

**कोरिया।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पीएम पोर्टल, सीएम जनदर्शन तथा कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विभागवार स्थिति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों से सवाल-जवाब किए और कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए, लापरवाही अथवा हीलाहवाली पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

# वीबी-जी राम जी के तहत ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता अभियान आयोजित

**एमसीबी।** विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जन-जागरूकता के उद्देश्य से जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण श्रमिकों एवं परिवारों को योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उन्हें रोजगार के साथ-साथ स्थायी आजीविका से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत पंचायत स्तर पर मनरेगा कार्यस्थलों एवं पंचायत भवनों में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दौरान ग्रामीणों एवं श्रमिकों को वीबी-जी राम जी योजना के प्रमुख उद्देश्यों, लाभों तथा 125 दिवस तक रोजगार के अवसरों को विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों द्वारा सरल एवं सहज भाषा में यह स्पष्ट किया गया। यह योजना पारंपरिक मजदूरी आधारित रोजगार से आगे बढ़कर कौशल विकास एवं स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से आय के स्थायी स्रोत विकसित करने पर केंद्रित है।कार्यक्रम के दौरान योजना के अंतर्गत कार्यों की उपलब्धता, पारदर्शी कार्यप्रणाली, समय पर मजदूरी भुगतान की व्यवस्था तथा शिकायत निवारण प्रणाली के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्रमिकों को यह भी अवगत कराया गया कि योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास के अवसर प्राप्त कर वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस जन-जागरूकता अभियान में कुल 30 श्रमिकों एवं 01 पंचायत प्रतिनिधि की सक्रिय सहभागिता रही। ग्रामीणों ने योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक इसकी जानकारी पहुँचाने का संकल्प लिया। वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत आयोजित यह जन-जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आजीविका सुदृढ़ीकरण एवं सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी एवं महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आ रहा है।

### शासकीय कन्या स्कूल में धूमधाम से बना राष्ट्रीय युवा दिवस

**कोरिया बैकुंठपुर।** शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 12/01/2026 को राष्ट्रीय युवा दिवस का धूमधाम से आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया तथा विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र गुप्ता सहायक संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग ,विद्यालय के प्राचार्य ए.एल.गुप्ता एवं कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शाहिस्ता अंजुम अली के निर्देशन में किया । कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। भाषण ,कविता, रंगोली आदि कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के विचारों पर आधारित भाषण, कविता पाठ एवं प्रेरक प्रस्तुतियां भी दी गई ।वक्ताओं ने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन ,राष्ट्र सेवा एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज के युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक है युवा शक्ति ही देश के विकास की सबसे बड़ी ताकत है और विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इसी तारतम्य में अन्य वक्ताओं द्वारा भी अपना पक्ष रखा गया एवं विद्यार्थियों को बिना रुके आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी गई। बोर्ड परीक्षा का शत प्रतिशत परिणाम आए इसके लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी रुबी ने ,कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी सरिता ने एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी राधिका ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुश्री शाहिस्ता अलीअंजुम द्वारा विशेष आभार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

# सीटबेल्ट और हेलमेट से सुरक्षा का दिया संदेश

**सूरजपुर।** डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर लगातार सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता के आयोजन जिले में किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार, 21 जनवरी 2026 को यातायात पुलिस व स्थानीय साधु राम विद्या मंदिर सूरजपुर के विद्यार्थियों द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित वाहन चलाने तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के प्रति जागरूक करना था।

इस अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर, नारों एवं संदेशों के माध्यम से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों का पालन

करने का संदेश लोगों तक पहुँचाया। यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय ने बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाला नागरिक कानूनन सुरक्षित होता है तथा उसकी पहचान गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने नागरिकों यह संदेश दिया गया कि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति की त्वरित सहायता कर अस्पताल पहुंचाने से उसकी जान बचाई जा सकती है साथ ही मदद करने वाले को राहवीर योजना के तहत पुरस्कृत भी किया जायेगा।

# अर्दन चेकडेम बना वनांचल के किसानों के लिए खुशहाली का स्रोत, खेतों में लौटी हरियाली

**एमसीबी।** किसान की मेहनत तब ही सार्थक होती है, जब उसके खेतों तक समय पर पानी पहुंच सके। एमसीबी जिले के जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत वनांचल ग्राम पंचायत भगवानपुर के किसानों के लिए यह सपना लंबे समय तक अधूरा रहा। वर्षा पर निर्भर खेती, जल की लगातार कमी और सीमित संसाधनों के कारण यहां के वनवासी किसान अपनी मेहनत का पूरा लाभ नहीं उठा पाते थे। ऐसे हालात में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित अर्दन चेकडेम उनके जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रहा है।

भगवानपुर गांव के किसानों के अनुसार पहले यहां जल संचयन का कोई स्थायी साधन नहीं था। बरसात का पानी बिना उपयोग के बह जाता था और गर्मियों में पीने एवं घरेलू आवश्यकताओं के लिए भी भारी संघर्ष करना पड़ता था। सिंचाई सुविधा के अभाव में किसान केवल पारंपरिक धान की खेती तक सीमित थे, वह भी पूरी तरह वर्षा पर निर्भर रहती थी। कई बार अल्प वर्षा के कारण फसल नष्ट हो जाती थी, जिससे किसानों की मेहनत के साथ-साथ खेती में लगाई गई पूंजी भी डूब जाती थी।

### एसईसीएल में ठेका कंपनी की मौज, लेकिन श्रम करने वाला वर्ग परेशान

# दो महीने से वेतन के लिए भटकने को मजबूर जेवीजी के 105 मजदूर, आर्थिक चुनौती

**कोरबा।** साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गेवरा परियोजना में मेकेनिकल और सिविल संबंधी कार्यों को कर रही जेवीजी बेलाज कंपनी के अंतर्गत कार्यरत सर्वेश्वरी इंटरप्राइजेज के 105 कर्मचारियों को नवंबर एवं दिसंबर माह के वेतन के लिए तरसना पड़ रहा है। दो माह से वेतन भुगतान न होने के कारण मजदूरों की आर्थिक स्थिति नाजुक हो गई है। आर्थिक चुनौती से जूझ रहे मजदूरों का कहना है कि मौजूदा स्थिति में मार्केट में इमेज खराब हो रही है।

सर्वेश्वरी के अधीन काम कर रहे मजदूरों ने बताया कि उन्होंने अपने पेटी ठेकेदार अजय सिंह एवं विक्की सिंह से कई बार संपर्क किया। ठेकेदारों द्वारा यह भरोसा दिलाया गया था कि यदि जेवीजी बेलाज कंपनी से भुगतान नहीं हुआ, तो भी 15 से 20 तारीख के बीच मजदूरों को अपनी जेब से वेतन दे दिया जाएगा। लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी न तो भुगतान किया गया और न ही ठेकेदार मजदूरों के फोन कॉल रिसीव कर रहे हैं। अब ठेकेदार द्वारा साफ शब्दों में कहा जा रहा है कि जब तक जेवीजी बेलाज से भुगतान नहीं मिलेगा, तब तक मजदूरों को वेतन नहीं दिया जाएगा। इस रवैये से मजदूरों में भारी आक्रोश और निराशा व्याप्त है। मदन सिंह केंद्रीय उपाध्यक्ष बीएमएस, रामनारायण साहू केंद्रीय अध्यक्ष बीएमएस बिलासपुर जोन,बाबू सिंह गेवरा शाखा अध्यक्ष संगठन ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी मजदूर के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और हर कर्मचारी को उसका बकाया वेतन एवं रोजगार सुनिश्चित कराया जाएगा। इससे पहले भी कुछ ठेका कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों के सामने इस प्रकार की स्थितियां आ चुकी हैं। समस्या तब होती है जब मजदूर प्रवासी श्रेणी के होते हैं और उनका पूरा दारोमदार स्थानीय आधार पर टिका होता है।



#### बीएमएस ने अधिकारियों के संज्ञान में लाया मामला

हताश और परेशान मजदूरों ने अंतत भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) एवं भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों से संपर्क कर अपनी पीड़ा साझा की। संगठन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराया और मजदूरों को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन, बिलासपुर (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मजदूरों की वेतन राशि और रोजगार बहाली के लिए यह मामला शासन-प्रशासन, जेवीजी बेलाज प्रबंधन एवं एसईसीएल तक मजबूती से उठाया जाएगा।

## सड़क सुरक्षा को ठेंगा, चलती गाड़ी में सेल्फी के साथ रील मामले में चार चालक गिरफ्तार

### प्रदर्शन करने वालों को राहत दी पुलिस ने

**कोरबा।** बालकोनगर क्षेत्र में मौज-मस्ती के साथ चलती गाड़ी में सेल्फी और रील बनाने के दौरान दुर्घटना को दावत देने वाले चार स्कार्पियो चालकों को पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट में गिरफ्तार किया है, जबकि उन लोगों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया जो इन गाड़ियों पर सवार होकर स्टंट कर रहे थे।

19 जनवरी की रात काले रंग की चार स्कारपियों वाहन क्रमांक सीजी 12 बीएस 7298 , सीजी 12 बीएल 3201, सीजी 12 बीएल 7861 , सीजी 12 बीएच 8214 में स्टंट के मामले सामने आए। इनमें कुछ युवक-युवतियां सवार थे जो गाड़ी की खिड़की से सेल्फी लेते और रील बनाते चल रहे थे। बड़े हिस्से तक इनकी हरकतें लोगों ने देखी और हैरानी जताई। बालको से आई.टी.आई चौक कोरबा , कोसाबाडी , सुभाष चौक , निहारिका , घंटाघर , महाराणा प्रताप चौक , सीएसईबी चौक होते हुए महाराजा होटल तक तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से स्टंट करते हुए लोगों के जीवन को खतरे में डालकर चला रहे थे। एवं उसमें बैठे हुए लोग खिड़की से झांकते हुए हाथ को बाहर निकाल कर मस्ती करते हुए जोर जोर से चिल्लाते व गाना बजाते हुए जा रहे थे। मुख्य मार्ग पर कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट किया। इसके वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लिया और इसी के साथ जांच-पड़ताल शुरू की

उक्त वाहन चालकों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन रामपुर जिला कोरबा में अपराध क्रमांक 56/2026 धारा 281 बीएनएस 184 एम.व्ही.एक्ट अपराध दर्ज किया गया। बताया गया कि इस मामले में वाहन चालक पवन यादव निवासी भूलसीडीह, चंद्र कुमार कर्ष निवासी एसईसीएल सुभाष ब्लॉक, रोहित पटेल निवासी चंद्र नगर बरमपुर, मोहम्मद सहजाद खान निवासी बरमपुर कोरबा को विधिवत् गिरफ्तार किया गया। गाड़ियों को जब्त किया गया। सबसे खास बात यह है कि जो लोग इन गाड़ियों पर स्टंट कर रहे थे उन पर कार्रवाई के बजाय सामान्य समझाईश दी गई और छोड़ दिया गया।

### डंपिंग एरिया में घूम रहे दो दंतैल

**कोरबा।** जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत केंदई रेंज के चोटिया क्षेत्र में स्थित डंपिंग एरिया में दो दंतैल हाथी विगत पांच दिनों से विचरण कर रहे हैं। हाथियों के क्षेत्र में घूमने से ग्रामीणों में में दहशत का माहौल है। वहीं विभाग द्वारा सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है और उसे आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

### सामान्य सभा की बैठक कल

**कोरबा।** नगर पालिक निगम कार्यालय में कल सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई है। जिसकी तैयारी को लेकर कांग्रेस पार्षदों की बैठक आज होटल टॉप इन टाउन में आयोजित की गई है। इस बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर, रामगोपाल कुर्रे, नारायण कुर्रे सहित अन्य पार्षद समस्याओं पर चर्चा करेंगे। वार्डों में अनेकों समस्याएं हैं। उन समस्याओं को लेकर आवेदन दिए जाते रहे हैं। उन सभी मुद्दों को जोर-शोर से उठाया जाएगा।

### बाउंड्रीवॉल का होगा निर्माण

**कोरबा।** मुड़ापार वार्ड के पार्षद रामगोपाल कुर्रे ने स्कूल में बने बाउंड्रीवाल को और ऊंचा करने और टूटे हुए स्थानों को ठीक करने की मांग की थी। स्वीकृति मिलने के बाद अब मुड़ापार स्थित स्कूल के बाउंड्रीवाल का निर्माण शुरू हो जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। पार्षद श्री कुर्रे ने बताया कि वार्ड में और भी कई स्थानों पर निर्माण कार्य कराए जाने हैं। खासकर कुछ मोहल्लों में सड़क बीच से टूट गई है जिसका कांक्रीटीकरण होगा। सभी कार्यों के लिए स्वीकृति मिल गई है।

### निखिल चेतना केंद्र के गुरुदेव का स्वागत

**कोरबा।** निखिल चेतना केंद्र हैदराबाद के गुरुदेव अनिल जोशी के आज दर्री क्षेत्र में पहुंचने पर उनका साधकों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान ललित नायक, श्रीराम साहू, रवि महंत, घनश्याम बरेठ, सौखीलाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। संजय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि एचटीपीपी कालोनी स्थित श्रम कल्याण भवन में सरस्वती पूजा के अवसर पर साधना शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें साधकों को कई दीक्षाएं दी जाएगी। इसके अलावा प्रवचन के कार्यक्रम भी होंगे।

### अजा मोर्चा कार्यकर्ताओं की होगी बैठक

**कोरबा।** भाजपा अजा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, जिसमें रविदास जयंती समारोह मनाने की तैयारियों पर विचार विमर्श किया जाएगा। एक फरवरी को होने वाले कार्यक्रम के लिए भाजपा अजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेश लहरे ने कार्यकर्ताओं को सूचना दे दी है। कार्यक्रम में अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री सरजू अजय भी रहेंगे।

## साल भर से सैलरी नहीं, मोरगा समिति के स्टाफ के सामने परेशानी

### पिछले प्रबंधक के घपले का दुष्परिणाम

**कोरबा।** जिले में पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत मोरगा की आदिवासी सेवा सहकारी समिति मर्यादित के स्टाफ को एक तरह से मजबूरी के चक्कर में उधारी अथवा बिना सैलरी के काम करना पड़ रहा है, वह भी पूरे एक साल से। स्थानीय होने के कारण ये लोग काम कर पा रहे हैं लेकिन उन्हें चिंता इसी बात की है कि लंबित राशि का भुगतान एक साथ कैसे हो सकेगा। यहां-वहां अपनी समस्या बताने पर भी इसका कोई हल न निकलने से ये कर्मी परेशान हैं।

मोरगा सहकारी समिति में सात कर्मचारी नियोजित हैं, जो एक साल से उधारी पर काम कर रहे हैं। कमीशन की राशि से इनके खर्चे निकलते हैं। इनमें वेतन से लेकर दूसरी जरूरतों का समायोजन होता है। इसके लिए उन्हें धान खरीदी सीजन की प्रतीक्षा होती है। वर्ष 2026 में अगर यहां हजारों क्विंटल धान की बिक्री हो जाए तो भी बड़ी बात है। वजह बताई गई कि एक तो इसमें समाहित गांव कम है और किसानों की संख्या सीमित। उपर से सरकार की नई नीति के कारण रकबा कटौती हो गई है। कई तरह के पेंच फंसने से भी समस्याएं हैं। इन सबके बीच हमें काम करना पड़ रहा है। मोरगा समिति के कर्मचारियों की सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि लगभग एक साल से उन्हें सैलरी नहीं मिली है। इसमें प्रबंधक से लेकर कैशियर और दूसरे काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं। सामान्य तौर पर सेवा सहकारी समितियों के लिए जो सेटअप बनाया गया है उसमें खर्चों का इंतजाम कमीशन की राशि से ही होता है। खबर के अनुसार यहां के पिछले प्रबंधक के द्वारा कामकाज के दौरान की गई गंभीर गड़बड़ी में लाखों का झोल सामने आया। इसका सच उजागर होने पर प्रशासन ने कार्रवाई की और उसे पिछले वर्ष हटा दिया गया। लेकिन असली मसला घपले की राशि की वसूली का है। कहा जा रहा है कि जहां कहीं भी इस प्रकार के मामले होते हैं उसकी रिकव्हरी वही समिति करती है और इसकी कीमत कर्मचारियों को चुकानी पड़ती है। मोरगा समिति का स्टाफ पिछले प्रबंधक की मनमानी या स्वेच्छाचारिता की सजा भुगतने को मजबूर हैं और लंबे समय से उन्हें बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है।

बीते वर्ष जांच पड़ताल के बाद हुई कार्यवाही के साथ इस समिति के प्रबंधक का प्रभार हरिनंदन सिंह को सौंपा गया। वे अब यहां की व्यवस्थाओं को देख रहे हैं। धान खरीदी का काम उनके जिम्मे है। उन्होंने बताया कि कामकाज सामान्य तौर पर चल रहा है। हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती कर्मियों को पिछला बकाया भुगतान करने की है, जो पैरामीटर्स बने हैं उसके हिसाब से ही काम होना है। बताया गया कि धान खरीदी सत्र 2025-26 का कामकाज अंतिम रूप से मिलान के बाद पूरा होगा। समय पर प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती है और अधिकारी इस दिशा में संवेदनशीलता दिखाते हैं तो हमारे स्टाफ पर कृपा होगी।

### भाजपा कार्यालय के नवीन भवन का भूमिपूजन दो को

**कोरबा।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, कोरबा के नवीन भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम (दिनांक 2 फरवरी) को लेकर आज रायपुर में उच्चस्तरीय सौजन्य भेंट की गई। उद्योग मंत्री लखन देवांगन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , उपमुख्यमंत्री अरुण साव , उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा , वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों से भेंट कर उन्हें सादर आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री समेत पूरे मंत्रीमंडल ने आयोजन में सहभागिता हेतु आमंत्रण सहर्ष स्वीकार किया। इसके पश्चात रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू सहित अन्य वरिष्ठ प्रदेश पदाधिकारियों से भी सौजन्य भेंट कर आमंत्रित किया।

## बाघ के सर्वे में जुटे वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी



**कोरबा।** कटघोरा वनमंडल के अधिकारी व कर्मचारी इन दिनों बाघ गणना के सर्वे में जुटे हुए हैं। यहां वनकर्मी पहले चरण में 18, 19 एवं 20 जनवरी को अपने-अपने क्षेत्रों में जंगल में 6 किलोमीटर तक पैदल चलकर बाघ एवं अन्य हिंसक जानवरों का पता लगाया, लेकिन इस दौरान न तो कहीं पर बाघ मिले और न ही उसके पैरों के निशान। आज से बाघ गणना का द्वितीय चरण शुरू हुआ है जिसमें फारेस्ट गार्ड व अन्य कर्मी जंगल में दो किलोमीटर पैदल चलकर बाघ एवं हिंसक जंगली जानवरों का सर्वे करेंगे। यह कार्यक्रम आगामी तीन दिनों तक चलेगा। इससे पहले कटघोरा वनमंडल के काष्ठागार स्थित सभा भवन में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बाघ गणना का प्रशिक्षण दिया गया था। पूरे देश में बाघों की संख्या जानने के लिए सर्वे एवं गणना का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इधर कोरबा वनमंडल में बाघ गणना के लिए साफ्टवेयर का इंतजार किया जा रहा है। पूर्व में उपलब्ध कराए गए साफ्टवेयर खराब होने की वजह से यहां पर बाघ गणना का काम शुरू नहीं हो सका है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक साफ्टवेयर उपलब्ध होते ही गणना काम शुरू कर दिया जाएगा।

## राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर सोहागपुर में बैठक आज

**कोरबा।** श्रम कानून के विरोध में चार श्रमिक संगठनों के द्वारा 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल आयोजित किया गया है। जिसको लेकर आज से तैयारियां शुरू हो रही है। सोहागपुर में एसकेएमएस एसईसीएल कार्यसमिति की बैठक होगी। जिसमें सभी एरिया के कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। कोरबा जिले से धर्मा राव, मनीष सिंह, विनोद यादव, अजय राठौर, केंद्रीय कर्मशाला से एलपी चंद्रा, अमृत साहू, गेवरा से दीपक उपाध्याय सहित अन्य सदस्य शामिल होंगे। इस बैठक में हड़ताल की रूपरेखा तैयार होगी। इसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों में कन्वेंशन भी आयोजित किया जाएगा। एसईकेएमसी के केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह भी हड़ताल की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। जबकि केएसएस के अनूप सरकार, सॉजी जॉन, संतोष टंडन, अनिल सिंह, प्रवीण रजक भी आयोजित कन्वेंशन में जाएंगे। इनके अलावा एचएमएस के फेडरेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमलाल यादव, गिरजा साहू, दूजराम मिलन सहित अन्य कार्यकर्ता भी हड़ताल की तैयारी में लगे हुए हैं।

## कटघोरा-पाली रोड पर वाहनों की जांच की गई स्पीडोमीटर से

### 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा पर होगा कामकाज

**कोरबा।** ट्रैफिक की टीम ने आज नेशनल हाइवे 130 पर कटघोरा-पाली मार्ग पर वाहनों की गति सीमा की जांच की। स्पीडोमीटर के जरिए इस काम को किया गया। इसमें कई प्रकार के विकल्प का भरपूर उपयोग करने के साथ वाहन चालकों को सतर्क करने की कोशिश भी की गई।

एक जनवरी से सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर जिले में अभियान शुरू किया गया है जो 31 जनवरी तक सतत चलेगा। इसके अंतर्गत वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देने के अलावा नेत्र परीक्षण, गाड़ियों की फिटनेस जांच, सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं के बारे में मार्गदर्शन देने का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर भी ट्रैफिक की टीम कैंपेन कर रही है। विशेष जोर इस बात पर है कि लोग यातायात नियमों को जानें और उसे माने भी। गुरुवार को अधिकारियों के निर्देश पर असिस्टेंड सब इंस्पेक्टर मनोज राठौर के साथ फील्ड स्टाफ ने एनएच 130 पर उपस्थिति दर्ज कराई। स्पीडोमीटर से गाड़ियों की गति सीमा जांच की गई। बताया गया कि अब मैनुअल सिस्टम के बजाय इस पैटर्न को हाथ में लिया गया है। इसी के जरिए कार्यवाही की जा रही है। सड़क सुरक्षा माह के दूसरे पखवाड़े की समाप्ति से पहले संबंधित गतिविधियों को तेज किया गया है। पुलिस ने कहा कि वाहन चालक नियमों को मानेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।



## पुल चोरी मामले में कुछ सामान बरामद, कराई वीडियोग्राफी

**कोरबा।** ढोढ़ीपारा वार्ड में रसियन हॉस्टल सीएसईबी में हसदेव बांयीतट नहर पर निर्मित लोहे के पुल का बड़ा हिस्सा काटकर चोरी करने के मामले में पुलिस की जांच जारी है। आज मौके से कुछ सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने यहां वीडियोग्राफी भी करायी।

दो दिन पहले मध्य रात्रि को ढोढ़ीपारा वार्ड अंतर्गत अज्ञात कबाड़ चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। रिहाईसी क्षेत्र के लोगों को सहुलियत देने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा बनाये गए लोहे के पुल को चोरों ने गैस कटर से काटा और पार कर दिया। स्थानीय पार्षद ने सीएसईबी चौकी को इसकी सूचना दी। कहा कि लगभग 10 से 15 टन वजनी सामान यहां से चोरी किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल की। आशंका के आधार पर दो-तीन कबाड़ अड्डों पर दबिश दी। कोई नतीजे नहीं मिलने पर आज घटना स्थल का रूख किया गया। खबर के अनुसार यहां से पुल के कुछ हिस्से मिले जो काटने के दौरान हड़बड़ी में नीचे गिर गए। कई एंगल से पुलिस ने जांच जारी रखी है। एडीशनल एसपी की उपस्थिति में मौके पर वीडियोग्राफी करायी गई। सीएसईबी और सिविल लाइन पुलिस भी यहां पर डटे रहे। इस दौरान लोगों ने नाराजगी जतायी कि चोर उचक्कों के कारण माहौल असुरक्षित हो रहा है। उनके क्षेत्र में हालिया घटना के कारण आवाजाही बाधित हुई। जिस अंदाज में कबाड़ चोरों द्वारा पुल को काटने का दुस्साहस किया उससे लोग डरे हुए हैं। लोगों को इस बात का डर है कि कहीं ऐसा ना हो की रात में भूले भटके कोई सामान बरामदे में रह जाए तो अगली सुबह उसकी मिलने की गारंटी रहेगी या नहीं।

### संजय नगर में नवधा रामायण

**कोरबा।** वार्ड क्रमांक 13 अंतर्गत पानी टंकी संजय नगर में अखंड नवधारामायण जारी है। क्षेत्र के लोगों द्वारा यहां भगवान के यश का गान किया जा हा है। 9 दिन तक यह कार्यक्रम चलेगा।

### प्रतिष्ठा दिवस पर भजन-कीर्तन व भोग वितरण आज

**कोरबा।** अयोध्या के भव्य राम मंदिर के अंग्रेजी कैलेंडर तिथि के हिसाब में द्वितीय वर्षगांठ पर शारदा विहार शिव मंदिर परिसर में आज शाम 6 बजे भजन कीर्तन होगा। रात्रि 8 बजे से श्रद्धालुओं को भोग वितरण किया जाएगा। क्षेत्र के नागरिक संगठन द्वारा इस कार्यक्रम को किया जा रहा है। महिला मंडल इसमें सहयोगी है। लोगों से इस मौके पर उपस्थिति दर्ज कराने कहा गया है।

### धान खरीदी की सीमा पर संदेह

**कोरबा।** सरकार ने 31 जनवरी तक ही धान उपार्जन करने की घोषणा पूर्व में की थी। कई क्षेत्रों में समस्याओं को लेकर मांग की जा रही है। समयसीमा में विस्तार किया जाए। अब जबकि एक सप्ताह का समय इस काम में बचा है तब समयसीमा बढ़ाने पर संदेह बना है।

आवश्यकता है
SKIN CARE CLINIC
एचआईजी-4 नेहरू नगर बुधवारी बाजार के पास, कार्य करने हेतु महिला की आवश्यकता है।
संपर्क करें
मो. नं.-98263 89894

## दुकान से लेते हैं शराब, गलियों में उपयोग के साथ अभद्रता

### लोगों ने कहा सरकार कब सुनेगी हमारी बात

**कोरबा।** यहां के गीतांजली शॉपिंग कॉप्लेक्स के सामने संचालित शराब दुकान को बंद करने की लोगों की मांग पर अब तक कुछ नहीं हो सका। शिकायत है कि शौकीन लोग दुकान से शराब लेने के बाद आसपास गलियों में पहुंचकर इसका उपयोग करते हैं। उनके द्वारा यहां पर गाली-गलौच से लेकर गंदगी फैलाने का काम किया जा रहा है। एक वर्ष पहले लोगों ने केबिनेट मंत्री लखन देवांगन और कोरबा कलेक्टर से इस बारे में शिकायत की थी। बताया गया था कि शराब दुकान के संचालन ने इसके आसपास में समस्या बढ़ रही है। बच्चों से लेकर महिलाओं का जीना मुश्किल हो गया है। विभाग ने राजस्व को बढ़ाने के लिए दुकान तो खोल दिया लेकिन इसकी बड़ी कीमत हम चुका रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि दिन में माहौल ठीक रहता है लेकिन शाम को पियक्कड़ गली-मोहल्लों में घुस कर गंदगी करता है और नशा चढ़ने पर बेमतलब गाली-गलौच करता है। रोकने-टोकने पर मारपीट की स्थिति पैदा होती है। लोगों ने कहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए शासन प्रशासन को दूसरे फार्मूले पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा अब इस शराब दुकान को जल्द बंद नहीं कराया गया तो हम अपने स्तर पर निपटने की मानसिकता बनाएंगे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com